mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-198 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
19 जुलाई 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कामयाब

450 किमी ऊपर कक्षा में पहुंचा; पीएम मोदी ने फोन पर बात कर बधाई दी

हैदराबाद,एजेंसी। हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने आज शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। इस कामयाबी पर पीएम मोदी ने सकाईरूट के फाउंडर पवन कुमार चंदना से बात की और बधाई दी।

यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे की गई। पहले यह लॉन्चिंग 11:30 बजे होनी थी, लेकिन लॉन्च से 5 मिनट पहले काउंटडाउन रोक दिया गया। कुछ देर बाद इसे

दोबारा शुरू किया गया। इस रॉकेट को भारत में बनाया गया है।

कंपनी ने 2022 में विक्रम-स सबऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 द्यद्व की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 द्यद्व की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है। इस सक्सेसफुल लॉन्च को भारत के स्पेस सेक्टर के लिए एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

सोने के कलाम, साराभाई और सीवी रमन भी भेजे गए

इस लॉन्चिंग को 'मिशन आगमन' नाम दिया गया था। इसके तहत विक्रम-1 रॉकेट अपने साथ टेक्नोलॉजी से लेकर कला से जुड़े पेलोड्स अंतरिक्ष में भेजे गए

कॉमर्शियल और टेक्नोलॉजी पेलोड्सः

- ग्रह स्पेस का टेक्नोलॉजी पेलोड।
- कॉस्मोसर्व स्पेस का पेलोड।
- डीक्यूब्ड का स्पेस रिसर्च से जुड़ा पेलोड।
- खुद स्काईरूट एयरोस्पेस का अपना इन-हाउस स्कोप पेलोड।

18 कैरेट सोने से बना आर्ट पीस भी स्पेस में भेजा गया :

कॉस्मोस डायमंड्स की कलाकृति 'कॉस्मिक ब्लूम' और एक खास माइक्रो-आर्ट पीस भी रॉकेट में भेजा गया। यह माइक्रो-आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना छोटा सा रॉकेट है। इस पर वैज्ञानिक सर सी वी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. कलाम की सूक्ष्म मूर्तियां उकेरी गई हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा गया एक पोस्टकार्ड भी रॉकेट में भेजा गया, जिस पर 'वंदे मातरम' शब्द अंकित हैं।

: ब्रीफ बॉक्स :

आसाराम की अंतरिम जमानत पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, राजस्थान सरकार से मांगी मेडिकल रिपोर्ट

जोधपुर,एजेंसी। जोधपुर में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू की अंतरिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए आसाराम ने अदालत से कुछ समय के लिए अंतरिम जमानत देने की मांग की है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिया कि वह आसाराम की मेडिकल रिपोर्ट की जांच कर यह बताए कि क्या उनकी स्वास्थ्य स्थिति वास्तव में इतनी गंभीर है कि उन्हें इलाज के लिए कुछ समय की अंतरिम जमानत दी जानी चाहिए। सरकार ने क्या दिया जवाब?

हालांकि, राजस्थान सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि फिलहाल आसाराम की स्वास्थ्य स्थिति ठीक है। उन्होंने कहा कि करीब तीन महीने पहले आसाराम अयोध्या और काशी विश्वनाथ गए थे, जहां उन्होंने पैदल घूमकर दर्शन किए थे। इसके बावजूद सरकार संबंधित अधिकारियों से ताजा स्वास्थ्य रिपोर्ट और अन्य आवश्यक जानकारी लेकर अदालत के सामने पेश करेगी।

योगी बोले: ललिता गौतम हत्याकांड के दोषी बचेंगे नही

परिवार से मुलाकात की, 5 लाख की मदद, आवास देंगे; गाजियाबाद में अपनी बहन के घर भी गए

गाजियाबाद,एजेंसी। सीएम योगी ने शनिवार को गाजियाबाद में ललिता गौतम के परिवार से मुलाकात की। योगी ने PWD गेस्ट हाउस में करीब आधे घंटे तक ललिता के परिवार से बात की। कहा- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे।

उन्होंने परिवार को 5 लाख की आर्थिक मदद, पिता और चाचा को एक-एक मुख्यमंत्री आवास देने का ऐलान किया। पुलिस अफसरों से अब तक की कार्रवाई की जानकारी ली।इससे पहले, पूर्व आईपीएस और मंत्री असीम अरुण सुबह साढ़े 9 बजे ललिता गौतम के परिवार को मेरठ से लेकर गाजियाबाद पहुंचे। मेरठ में बीए की दलित छात्रा ललिता गौतम की हत्या हुई थी। शव 17 मई को गन्ने के खेत में मिला था।

पुलिस कार्रवाई न होने से नाराज परिजनों ने 8 जुलाई को कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया था। SSP अविनाश पांडेय ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को थप्पड़ मारे। पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इसके बाद मामला ने तूल पकड़ लिया था।

वांगचुक को अनशन के 21वें दिन पुलिस ने अस्पताल भेजा

- पुलिस शनिवार सुबह सफदरजंग अस्पताल ले गई
- जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे हैं दीपके

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को पुलिस शनिवार सुबह सफदरजंग अस्पताल ले गई। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके भूख हड़ताल शुरू कर दी है। सुबह करीब 7 बजे पुलिस सिविल ड्रेस में जंतर-मंतर पहुंची थी और वांगचुक को सफेद चादर में उठाकर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का विरोध किया, जिससे वहां हंगामा हो गया।वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। उनका वजन करीब 9.5 किलो कम हो गया है।दरअसल दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को आदेश दिया था कि वांगचुक का रोजाना मेडिकल चेकअप किया जाए और जरूरत पड़ने पर उनका इलाज कराया जाए।

कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर दीपके पर महिला ने स्याही फेंकी

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। मंच से नीचे आकर बैठे दीपके पर महिला ने स्याही फेंकी। इससे पहले सुबह करीब 7 बजे पुलिस सिविल ड्रेस में जंतर-मंतर पहुंची थी और वांगचुक को सफेद चादर में उठाकर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच जमकर हंगामा हुआ। वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं।

पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 8 की मौत

15 से ज्यादा घायल

अहमदाबाद,एजेंसी। अहमदाबाद के महमूदपुरा में पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई है, वहीं 15 से अधिक लोग जख्मी हुए हैं। महापौर और मनपा आयुक्त घटनास्थल पर पहुंचे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आज दोपहर शहर के वस्त्रा क्षेत्र में रामोल-गतराद रोड पर स्थित महमूदपुरा टैलेंट फायरवर्क्स फैक्ट्री में अज्ञात कारणों से आग लग गई। पटाखों का कारखाना होने के कारण आग ने तेजी से भयंकर रूप ले लिया और देखते ही देखते पूरे कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया।

आग लगने से 8 लोगों की मौत:महमूदपुरा में मेहुल डोडिया नामक एक व्यक्ति ने पटाखा फैक्ट्री चला रखी थी शनिवार दोपहर उसमें अचानक आग लगी जोरदार धमाका हुआ इसमें आठ लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि 15 से अधिक को नजदीक के लोग अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटनास्थल आरएएफ कैंप के पीछे वस्त्राल के नजदीक बताया जा रहा है। फायर कर्मचारी आग पर काबू पा चुके हैं।

झोपड़ी जैसी जगह पर चल रही थी फैक्ट्री- महापौर

अहमदाबाद के महापौर हितेश बारोट एवं मनपा के आयुक्त बच्छा निधि पानी भी मौके पर पहुंचे हैं। महापौर ने बताया कि घायलों को अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया है, यह फैक्ट्री झोपड़ी जैसी जगह पर चल रही थी इसके कारण आग लगी बताई। आग की भयावहता को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।महापौर ने बताया कि घायलों को अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया है, यह फैक्ट्री झोपड़ी जैसी जगह पर चल रही थी इसके कारण आग लगी बताई।

अरुणाचल प्रदेश के 35 गांवों में लैंडस्लाइड

यूपी के सभी 75 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट; राजस्थान में इस साल 21% कम बारिश हुई

नई दिल्ली ,एजेंसी। यूपी के लखनऊ, कानपुर और बाराबंकी समेत सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। झांसी में 15 मिनट की बारिश के बाद पारा 7 डिग्री तक कम हो गया। राजस्थान में मानसून अब भी ब्रेक पर है। राज्य में अब तक सामान्य से 21 फीसदी कम बरसात हुई है। वहीं, मध्य प्रदेश के भोपाल और इंदौर समेत 44 जिलों में शनिवार को बारिश का अलर्ट है। बंगाल की खाड़ी में एक्टिव लो प्रेशर एरिया और राजस्थान में एक्टिव सायक्लोनिक सर्क्युलेशन के चलते आने वाले दिनों में बारिश और बढ़ सकती है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में अपर सुबनसिरी जिले के गिबा, निलिंग, चेतम और दापोरिजो सर्किलों के 35 गांवों में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड हुई।

कैलाश मानसरोवर यात्रा का चौथा दल धारचूला में फंसा

भूस्खलन से 18 सड़कें बंद; केदारनाथ मार्ग पर भी पत्थर गिरे, पैदल यात्रा जारी

पिथौरागढ़,एजेंसी। उत्तराखंड में लगातार बारिश का असर अब प्रमुख तीर्थ यात्राओं पर दिखने लगा है। पिथौरागढ़ में कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भूस्खलन होने से चौथा दल धारचूला में ही रुक गया है, जबकि जिले की 18 सड़कें बंद हैं।वहीं रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर भी कई जगह भूस्खलन हुआ, हालांकि प्रशासन ने रास्ता साफ कर पैदल यात्रा फिर शुरू करा दी है।पिथौरागढ़ जिले में गर्भाधार के पास पहाड़ी दरकने से कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भारी मात्रा में मलबा

और चट्टानें आ गईं। इसके चलते वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। इसी कारण कैलाश मानसरोवर यात्रा का चौथा दल धारचूला में रोक दिया गया है। सड़क खुलने के बाद ही श्रद्धालुओं को गुंजी के लिए रवाना किया जाएगा।

कैलाश यात्रा का पहला दल लौटा:कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला दल दर्शन कर सकुशल भारत लौट आया है। शनिवार सुबह लिपुलेख दर्रे पर टेकओवर प्रक्रिया के बाद चीनी अधिकारियों ने यात्रियों को भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के हवाले किया। पहले दल में 49 में से 48 यात्री कैलाश मानसरोवर पहुंचे थे। इनके साथ एक डॉक्टर और तीन किचन स्टाफ भी शामिल थे। लौटने के बाद दल गुंजी होते हुए बुंदी के लिए रवाना हुआ।उधर, तीसरे दल ने शनिवार सुबह लिपुलेख दर्रे से चीन में प्रवेश किया, जबकि दूसरा दल फिलहाल कैलाश परिक्रमा पर है। वहीं चौथा दल सड़क की स्थिति सामान्य होने के बाद धारचूला से गुंजी के लिए रवाना किया जाएगा।

अब कोई भी प्राइवेट कंपनी खोल सकेगी मेडिकल कॉलेज

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने किया नियमों में बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। मेडिकल कॉलेज खोलने के नियमों में बड़ा बदलाव हुआ है। नेशनल मेडिकल कमीशन यानी NMC ने अपने नियम में बदलाव किया है। पहले सिर्फ सेक्शन-8 वाली नॉन-प्रॉफिट कंपनियों को ही मेडिकल कॉलेज खोलने की इजाजत थी।

अब कंपनीज एक्ट 2013 के तहत बनी किसी भी कंपनी को मेडिकल कॉलेज शुरू करने की अनुमति मिल जाएगी।

सेक्शन-8 कंपनी नॉट-प्रॉफिट होती है। इसमें कमाई का बचा हुआ पैसा सिर्फ चैरिटी या संस्थान के विकास में ही लगाया जा सकता है, मुनाफे के तौर पर नहीं निकाला जा सकता।

2017 में तत्कालीन मेडिकल कार्उंसिल ऑफ इंडिया ने कहा था कि कंपनीज एक्ट 1956 के तहत रजिस्टर्ड सभी कंपनियां मेडिकल कॉलेज

खोल सकती हैं। ट्रस्ट और सोसाइटी भी कंपनी में बद सकते थे। 2019 में MCI के भंग होने के बाद NMC बनी। उसने फिर से नियम सख्त कर दिए और सिर्फ सेक्शन-8 कंपनियों को ही इजाजत दी।

होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट

- यूएस का लगातार सातवीं रात ईरान पर हमला
- ईरान बोला-जमीनी हमले हुए तो कुवैत-बहरीन में घुस जाएंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी ,एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट हो गया। IRGC ने बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की गलत जानकारी के कारण दोनों टैंकर समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गए।हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने इस दावे को झूठा बताया। वहीं, CENTCOM ने कहा कि उसने लगातार सातवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं पर हमले किए। अल जजीरा के मुताबिक, इन हमलों में सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को निशाना बनाया गया।उधर, ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान के 20 गांवों में पानी संकट

ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के जस्क काउंटी के बुंजी तटीय गांव में समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले सिस्टम पर अमेरिकी हमले के बाद 20 गांवों के करीब 10 हजार लोग पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं।होर्मोजगान वाटर और वेस्टवाटर कंपनी के प्रमुख हमजेह पूर ने कहा कि हमले में समुद्र से पानी खींचने वाला पंपिंग स्टेशन और बुंजी के डिसैलिनेशन प्लांट का पावर ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने इन हमलों को अपराध और आतंकवादी हमला बताया।

इराक-सीरिया तेल पाइपलाइन फिर शुरू होगी; होर्मुज पर निर्भरता कम होगी

इराक ने पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ दर्जनों शुरुआती समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें इराक-सीरिया कच्चा तेल पाइपलाइन को दोबारा शुरू करने की योजना भी शामिल है, ताकि तेल निर्यात के लिए होर्मुज स्ट्रेट पर निर्भरता कम की जा सके।

भारतीय नौसेना को मिला एक और एमएच-60आर सीहॉक हेलिकॉप्टर, जल्द दो और चॉपर मिलेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय नौसेना को एक और एमएच-60आर सीहॉक हेलिकॉप्टर मिल गया है। यह हेलिकॉप्टर पिछले सप्ताह कोच्चि पहुंचा। दूतावास ने कहा कि इस सप्ताह दो और हेलिकॉप्टर भारत पहुंचने वाले हैं, जो भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के लगातार मजबूत होने का संकेत है।अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा कि लॉकहीड मार्टिन द्वारा विकसित यह अत्याधुनिक नौसैनिक हेलिकॉप्टर भारतीय नौसेना की समुद्री

निगरानी और अन्य अभियानों की क्षमता को और मजबूत करेगा। भारत ने फरवरी 2020 में अमेरिका के साथ 24 एमएच-60आर सीहॉक हेलिकॉप्टर खरीदने का समझौता किया था।

यह ब्लैकहॉक हेलिकॉप्टर का समुद्री संस्करण है, जिसे हर मौसम में काम करने के लिए तैयार किया गया है।

रायपुर के बंद मकान में एक ही परिवार के 5 लोगों के मिले शव, सुसाइड या मर्डर जांच में जुटी पुलिस

रायपुर, एजेंसी। राजधानी के टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर (मदनी चौक) में बंद मकान से पांच शव बरामद किए गए हैं। मृतकों में पति-पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही टिकरापारा पुलिस और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने मकान को सील कर साक्ष्य जुटाना शुरू कर दिया है। यह परिवार पिछले आठ महीनों से यहां एक मकान में किराए पर रह रहा था। पड़ोसियों ने बताया कि गुरुवार शाम से घर का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी समय तक कोई हलचल न होने पर जब संदेह हुआ, तो आस-पास के लोगों ने देखा कि भीतर शव पड़े हुए हैं। इसके तुरंत बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक मृतकों में साजिद अली (50 वर्ष) का शव फंदे से लटका मिला। वहीं उसकी पत्नी राबिया, पुत्र इरशाद अली (19 वर्ष), पुत्री शाहिदा (17 वर्ष) और इरशाबा बेगम (16 वर्ष) के शव कमरे में मिले, मुंह और नाक से झाग निकला दिखाई दे रहा है।

बैंक कर्ज के चलते पति-पत्नी में होता था विवाद

साजिद अली मौदहापारा में बैटरी रिपेयरिंग का काम करता था। स्थानीय लोगों के अनुसार परिवार पर कुछ कर्ज (लोन) था, जिसकी वसूली के लिए रिकवरी कर्मी अक्सर वहां आते थे। आर्थिक तंगी के कारण परिवार में आपसी विवाद होने की बात भी सामने आ रही है।

शव पीएम के लिए आंबेडकर अस्पताल भेजा

घटना की खबर मिलते ही इलाके में भारी संख्या में लोग एकत्रित हो गए, जिन्हें नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिसअधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए शव पीएम के लिए आंबेडकर अस्पताल भेज दिया गया है। सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

पांच वर्षों में जुलाई की सबसे गर्म रही शुक्रवार की रात; आईएमडी का दो दिन का येलो अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उमस भरी गर्मी शुक्रवार को भी जारी रही। दिन का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, परंतु उमस के कारण लोगों को 51 डिग्री सेल्सियस जैसी गर्मी महसूस हुई। वहीं, न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि हो रही है। शुक्रवार को यह 31 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक है। इससे पहले जुलाई में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान 1 जुलाई, 2021 को दर्ज हुआ था। यानी, यह पिछले पांच वर्षों में जुलाई की सबसे गर्म रात रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, सफदरजंग में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक है। विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए हल्की वर्षा का पूर्वानुमान लगाया था। दिन में बादल छाए रहे, लेकिन वर्षा नहीं हुई।

हल्कि बारिश की आशंका

विभाग ने अगले दो दिनों के लिए भी येलो अलर्ट जारी किया है और इस दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहने व गरज के साथ बिजली चमकने की संभावना जताई है। शनिवार को दिन में तेज हवा चलने के साथ ही हल्की वर्षा हो सकती है। लोधी रोड पर अधिकतम तापमान 39.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.0 डिग्री अधिक है। इसके अलावा पालम में तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक), अयानगर में 38.4 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 3.1 डिग्री अधिक) और रिज स्टेशन पर 37.4 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक) रहा। वहीं, सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 31.0 डिग्री सेल्सियस, पालम में 29.1 डिग्री सेल्सियस और लोधी रोड पर 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

19 जुलाई को हर मतदान केंद्र पर लगेगा विशेष शिविर, गणना प्रपत्र भरने का मिलेगा आखिरी आसान मौका सभी मतदाताओं को

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में 19 जुलाई को प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस शिविर में पात्र मतदाता अपने गणना प्रपत्र भरकर मौके पर ही जमा कर सकेंगे। चुनाव अधिकारियों का कहना है कि इस विशेष पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने या आवश्यक जानकारी अपडेट कराने से वंचित न रहे। मुख्य चुनाव अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरवाने का कार्य लगातार जारी है। यह अभियान तीन अगस्त तक चलेगा। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं ने अभी तक अपना गणना प्रपत्र नहीं भरा है, वे

अपने क्षेत्र के बूथ स्तरीय अधिकारी से संपर्क करें या फिर 19 जुलाई को अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर प्रपत्र भरें और वहीं जमा कर दें।

दोपहर दो बजे तक चलेगा कैंप: उन्होंने बताया कि विशेष शिविर सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा। इस दौरान सभी मतदान केंद्रों पर बूथ स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे, जो मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और प्रपत्र जमा करने में पूरी सहायता देंगे। इससे लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और प्रक्रिया अधिक सरल व सुविधाजनक होगी। मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि चुनाव आयोग का लक्ष्य है कि 13 अगस्त, 2026 को प्रकाशित होने वाली प्रारंभिक मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम शामिल हो। इसके लिए नागरिकों की सक्रिय भागीदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस अभियान को गंभीरता से लें और समय रहते अपनी सभी जानकारियां सत्यापित करवा लें।

हर परिवार तक पहुंच रहे बीएलओ

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि घर-घर चल रहे अभियान के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारी प्रत्येक परिवार तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। यदि किसी कारणवश कोई मतदाता उस समय उपलब्ध नहीं हो पाया है या उसका गणना प्रपत्र अभी तक नहीं भर पाया है, तो वह 19 जुलाई के विशेष शिविर का लाभ उठाकर अपना प्रपत्र जमा कर सकता है। चुनाव विभाग का मानना है कि विशेष शिविर से बड़ी संख्या में मतदाताओं को सुविधा मिलेगी और मतदाता सूची को अधिक सटीक तथा अद्यतन बनाने में मदद मिलेगी। विभाग ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इस अभियान की जानकारी दें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने या आवश्यक संशोधन कराने से वंचित न रह जाए।

सेंट्रल-नौबस्ता मेट्रो शुरू होने से पहले ही 20 करोड़ की कमाई, पीएमओ से मांगी उद्घाटन की तारीख

कानपुर, एजेंसी। सेंट्रल से नौबस्ता तक अभी मेट्रो रेल का संचालन भले ही शुरू न हुआ हो, पर यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन ने विज्ञापन मामले में 20 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। नीलामी के बाद 42 दुकानों का तीन से नौ साल तक ठेका आवंटन हो गया है। ऐसे ही अभी अन्य कई दुकानों विज्ञापन के ठेकों का आवंटन अभी होना बाकी भी है। सेंट्रल से नौबस्ता के बीच सात स्टेशन बनाए गए हैं। इनमें झकरकटी, ट्रांसपोर्ट नगर, बारादेवी, किदवई नगर, वसंत विहार, बौद्ध नगर एवं नौबस्ता में मेट्रो स्टेशन हैं। यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन (यूपी-एमआरसी) के संयुक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) पंचानन मिश्र ने बताया कि सेंट्रल से नौबस्ता के बीच सात मेट्रो स्टेशन बने हैं। ये राजस्व प्राप्ति गैर यात्री किराया है। उन्होंने बताया कि स्टेशनों पर विज्ञापन के लिए और आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि अभी 15 किमी तक आइआइटी से सेंट्रल तक वर्तमान में राइडरशिप 20 से 25 हजार है। फिर आइआइटी से नौबस्ता कुल 24 किमी तक जुड़ने के बाद दक्षिण के लोगों को भी मेट्रो रेल सेवा मिलनी शुरू हो जाएगी। इसलिए राइडरशिप एक लाख से भी अधिक होने का अनुमान है। वर्तमान में आइआइटी से कानपुर सेंट्रल तक 16 किमी की दूरी में यात्री सेवा का परिचालन हो रहा है।

सीएमआरएस ने कई आपत्ति लगा सुधार के दिए निर्देश: जनसंपर्क अधिकारी पंचानन मिश्र ने बताया कि रेल संरक्षा आयुक्त ने निरीक्षण के बाद कुछ मामलों में आपत्ति लगाकर सुधार के निर्देश दिए थे। जिसके क्रम में कार्रवाई चल रही है। साथ ही आपत्ति दूर करने के संबंध में सीएमआरएस की टीम को भी जानकारी दी गई है। इसी क्रम में दक्षिण में भी सेंट्रल से नौबस्ता तक मेट्रो रेल सेवा शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री से लोकार्पण के संबंध में पीएमओ से तारीख-समय की मांग भेज दी गई है। इस संबंध में उन्होंने उप्र आवास एवं शहरी नियोजन विभाग में पत्राचार भी किया है।

डीयू की अनोखी पहल, हर साल 6000 दुर्लभ किताबों, शोधग्रंथों और जर्नलों का होगा संरक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू ने अपने पुस्तकालयों में वर्षों से सुरक्षित दुर्लभ पुस्तकों, शोधग्रंथों (थीसिस) और प्रिंट जर्नलों को संरक्षित रखने के लिए सराहनीय पहल की है। विश्वविद्यालय ने दिल्ली यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी सिस्टम (डीयूएलएस) के तहत आने वाले पुस्तकालयों के लिए अनुभवी बुक बाइंडर्स के पैनल के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत हर वर्ष करीब 6,000 पुस्तकों, जर्नलों और शोधग्रंथों की बाइंडिंग कराई जाएगी, जिस पर लगभग 60 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है।

पुरानी पुस्तकों को रीयूज करना लक्ष्य: डीयू के केंद्रीय पुस्तकालय के अनुसार चयनित एजेंसियों को दो वर्षों के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। विश्वविद्यालय का उद्देश्य पुरानी और क्षतिग्रस्त पुस्तकों को दोबारा उपयोग योग्य बनाना है, ताकि विद्यार्थियों और शोधार्थियों को महत्वपूर्ण अध्ययन सामग्री लंबे समय तक उपलब्ध रह सके। डीयू के अधिकारियों का कहना है कि डीयू की दशकों पुरानी अकादमिक धरोहर को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे दुर्लभ संदर्भ सामग्री का संरक्षण होगा और आने वाली पीढ़ियों के विद्यार्थियों व शोधार्थियों को इसका लाभ मिलता रहेगा।

अमेरिकी हमले में चाबहार बंदरगाह का समुद्री ट्रैफिक कंट्रोल टावर नष्ट; ईरान ने किया पलटवार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका के ताजा हमलों में ईरान के मकरान इलाके में स्थित चाबहार बंदरगाह का समुद्री यातायात नियंत्रण टावर नष्ट हो गया है। ईरान ने इसे 'घृणित हमला' बताया और कहा कि यह हमला मछुआरों की आजीविका और क्षेत्र में आम नागरिकों की समुद्री सुरक्षा को निशाना बनाकर किया गया।

ईरान ने तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से जारी बयान में कहा कि अमेरिकी सेना ने तीन मिसाइलें दागकर एक 'पूरी तरह से नागरिक ढांचे' को नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया कि अहम बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमले एक बार फिर पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड और वाशिंगटन की ओर से खुद बनाए गए अंतरराष्ट्रीय

समझौतों की अनदेखी को दिखाते हैं।

सेंटकॉम ने क्या कहा: इस बीच, अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालंतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था।इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है। इसके अलावा, यह कार्रवाई क्षेत्र के जलक्षेत्र में सभी जहाजों के लिए आवाजाही की स्वतंत्रता को सुरक्षित करती है, सिवाय उन जहाजों के जो ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

कतर के अल उदीद अमेरिकी एयरबेस पर हमला: ईरान ने दावा किया है कि उसकी सेना ने हमलों की 15वीं लहर में कतर स्थित अमेरिका के अल उदीद एयरबेस को निशाना बनाया है। ईरान की आईआरआईबी समाचार एजेंसी के अनुसार, ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने एक बयान में कहा कि इन हमलों में लंबी दूरी की रडार प्रणाली और अमेरिका के कई रणनीतिक ईंधन भरने वाले विमानों को नुकसान पहुंचा है। आईआरजीसी ने कहा, अमेरिकी दुश्मन और क्षेत्र में अपने ठिकानों की मेजबानी करने वाले देशों को यह समझ लेना चाहिए कि लक्ष्मण रेखा को पार करने और लोगों तथा नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमला करने की बहुत गंभीर और दुखद कीमत चुकानी होगी। अगर दुश्मन यह सिलसिला जारी रखता है तो और भी करारे जवाब दिए जाएंगे, जो युद्धों के इतिहास में दर्ज रहेंगे।

मेक्सिको के तट पर आया शक्तिशाली भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 7.4 तीव्रता; सुनामी की चेतावनी जारी

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तट के पास 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र मेक्सिको के शहर प्यूर्टो मादेरो के पास था। इसकी गहराई जमीन से केवल 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप के बाद अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने इस क्षेत्र के लिए सुनामी की आशंका जताते हुए चेतावनी जारी की है।रॉयटर्स ने एक चश्मदीद के हवाले से कहा, भूकंप के झटकों से ग्वाटेमाला सिटी में इमारतें हिल गईं। एक अन्य चश्मदीद ने रॉयटर्स को बताया कि एल सल्वाडोर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति ने क्या कहा: ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति बर्नार्डो अरेवालो ने कहा कि भूकंप के कारण अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अभी तक कोई मौत नहीं हुई है और हम हर मिनट स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और ऐसे हालात में जारी की जाने वाली सलाह का पालन करने की अपील की।। मेक्सिको के ओआक्साका राज्य के गवर्नर ने क्या कहा मेक्सिको के दक्षिणी राज्य ओआक्साका के गवर्नर ने कहा कि भूकंप के झटके राज्य की राजधानी में 'मध्यम तीव्रता' के साथ महसूस किए गए। सलोमोन जारा ने सोशल मीडिया पर बताया कि अभी तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। ग्वाटेमाला में एहतियात के तौर पर लोगों को निकाला गया।

राजस्थान में ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट में छूटा कपड़ा, होगी जांच

उदयपुर, एजेंसी। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ के एक निजी अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन के दौरान कथित चिकित्सकीय लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। महिला के पति ने आरोप लगाया है कि ऑपरेशन के दौरान मेडिकल टीम ने पेट के अंदर सर्जिकल कपड़ा छोड़ दिया, जिससे महिला की हालत लगातार बिगड़ती गई। करीब दो माह बाद अहमदाबाद के एक अस्पताल में इसे बाहर निकाला गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने मेडिकल टीम गठित कर जांच के आदेश दिए हैं। स्वजन के अनुसार, दक्ष अस्पताल में दो मई को महिला का ऑपरेशन हुआ, जिसमें बेटे का जन्म हुआ। छह मई को अस्पताल से छुट्टी मिलने के कुछ दिनों बाद महिला को तेज पेट दर्द, बुखार और लगातार संक्रमण की शिकायत शुरू हो गई। स्थानीय स्तर पर उपचार के बावजूद हालत में सुधार नहीं हुआ। बाद में अहमदाबाद के डॉक्टरों ने बताया कि महिला के पेट में सर्जिकल कपड़ा होने की पुष्टि की । 27 जून को इसे बाहर निकाला गया। स्वजन के अनुसार, अब तक इलाज पर करीब 15 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं।

कनाडा के धुएं पर भड़के ट्रंप: नया टैरिफ लगाने की दी धमकी, क्या जंगल की आग से यूएस को हुआ अरबों डॉलर का नुकसान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कनाडा पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी। इसके साथ ही ओटावा पर अपने जंगलों का प्रबंधन करने में विफल रहने और जंगल की आग के धुएं को संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में फैलने देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा बताया।

ट्रंप ने कनाडा पर क्या आरोप लगाए : ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा 'हम कनाडा को इस बात के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं कि वे अपने जंगलों और उनमें उगने वाली झाड़ियों का ठीक से रखरखाव नहीं कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका अनावश्यक रूप से गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा से प्रभावित हो रहा है, जिसकी गुणवत्ता खतरनाक और बिल्कुल अस्वीकार्य है।'

प्रधानमंत्री कार्नी से करेंगे बात: उन्होंने यह भी कहा कि वे स्पष्टीकरण मांगने और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कनाडा की

योजनाओं पर चर्चा करने के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से बात करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा 'मैं दिन में प्रधानमंत्री को फोन करके पता लगाऊंगा कि वे इस बारे में क्या करने वाले हैं। इसकी लागत का अंदाजा लगाना मुश्किल है!'

क्या अमेरिका को अरबों का नुकसान हुआ है : ट्रंप ने कनाडा पर पर्याप्त वन प्रबंधन और मलबा हटाने से इनकार करने का आरोप लगाते हुए इसे जानबूझकर की गई लापरवाही करार दिया। इसके साथ ही दावा किया कि बार-बार होने वाली जंगल की आग के धुएं से संयुक्त राज्य अमेरिका को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा, 'इस प्रदूषण की लागत को कनाडा की ओर से वर्तमान में भुगतान किए जा रहे टैरिफ में अनिवार्य रूप से जोड़ा जाना चाहिए।'

नासा ने क्या बताया : ट्रंप की ये टिप्पणियां ऐसे समय आई जब कनाडा में लगी सैकड़ों सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं सीमा पार करके अमेरिका के कई राज्यों में फैल गया, जिससे वायु गुणवत्ता संबंधी चेतावनी जारी की गई। नासा के अनुसार, कनाडा में लगी लगभग 850 सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं, जिसमें ओंटारियो में लगी 180 से अधिक आग भी शामिल हैं, ऊपरी मध्यपश्चिम से लेकर उत्तरपूर्व तक फैले अमेरिका के 20 से अधिक राज्यों में फैल चुका है।

कनाडा के कितने जंगलों में लगी आग : कैनेडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर ने बताया कि शुक्रवार को कनाडा भर में लगभग 888 जंगल की आग लगी हुई थी, जिनमें से अधिकांश पर काबू पाना असंभव था। इनमें से 190 से अधिक आग ओंटारियो में लगी थीं। जंगल की आग से निकले धुएं ने मिनेसोटा, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, ओहियो और न्यूयॉर्क सहित संयुक्त राज्य अमेरिका के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता को प्रभावित किया है।

कनाडा के ओर से कोई जवाब आया : ट्रंप की नया नवीनतम टैरिफ चेतावनी पर कनाडाई अधिकारियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की जिम्मेदारी कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों की है। वहीं, प्रीमियर डग फोर्ड ने वाशिंगटन से कनाडा की प्रतिक्रिया की आलोचना करने के बजाय अतिरिक्त सहायता भेजने का आग्रह किया। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि जंगल की आग से निकलने वाला धुआं मुख्य रूप से मौसम की स्थितियों से प्रभावित होता है, न कि राजनीतिक सीमाओं से।

टोरंटो विश्वविद्यालय के डॉ. पैट्रिक जेम्स ने कहा, 'मौसम को अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से कोई लेना-देना नहीं है।

इसके साथ ही बताया कि हाल के वर्षों में अमेरिका में लगी भीषण जंगल की आग से निकलने वाले धुएं ने कनाडा को भी प्रभावित किया है। विशेषज्ञों ने आगे कहा कि वर्तमान में लगी कई आग कनाडा के विशाल, दूरस्थ जंगलों में जल रही हैं।

जहां आग का पता लगाना और उसे बुझाना मुश्किल है, और हालांकि वन प्रबंधन समुदायों के आसपास के जोखिमों को कम कर सकता है, लेकिन इतने बड़े पारिस्थितिकी तंत्र में आग लगने से नहीं रोक सकता।

मंदिर के नए कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति को दी मंजूरी

कोच्चि, एजेंसी। केरलम हाई कोर्ट ने सबरीमाला मंदिर में वर्ष 2026-27 के कार्यकाल के लिए पीएस. संतकुमार की कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

वर्तमान में संतकुमार राज्य के सांस्कृतिक मामलों के निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। वह ओजी बिजू का स्थान लेंगे, जिनकी सबरीमाला में विभिन्न पदों पर लगातार नियुक्ति को लेकर हाई कोर्ट पहले सवाल उठा चुका था। हाई कोर्ट ने त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) को निर्देश दिया था कि प्रमुख मंदिरों में प्रशासनिक और कार्यकारी अधिकारियों की नियुक्ति केवल ईमानदार और दक्ष अधिकारियों की ही की जाए। इसके बाद बोर्ड ने बिजू का तबादला कर उनकी जगह संतकुमार की नियुक्ति की अनुमति मांगी थी। जस्टिस राजा विजयराघवन वी. और जस्टिस के. वी. जयकुमार की पीठ ने कहा कि बोर्ड के सतर्कता एवं सुरक्षा प्रकोष्ठ ने संतकुमार की सेवा रिकॉर्ड की जांच की है। रिपोर्ट में उनके पिछले कार्यकाल के दौरान कोई प्रतिकूल टिप्पणी या वित्तीय अनियमितता नहीं मिली। कोर्ट ने बोर्ड की याचिका स्वीकार करते हुए संतकुमार को 16 जुलाई से पदभार ग्रहण करने की अनुमति दे दी।

वनांचल कुसमी में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानने पहुंचे कलेक्टर, मरीजों से लिया फीडबैक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्र कुसमी में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत एवं जनकेंद्रित बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया और स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि वनांचल क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को समय पर बेहतर उपचार, आवश्यक दवाएं और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं कलेक्टर ने कहा कि कुसमी जैसे भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ही प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होता है ऐसे में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे पूरी संवेदनशीलता, समर्पण और सेवाभाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें निरीक्षण के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का भ्रमण किया उन्होंने ओपीडी, वार्ड, प्रसूति कक्ष, औषधि भंडार, प्रयोगशाला सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों, मरीजों को दी जा रही सेवाओं और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारी अधिकारियों से ली। कलेक्टर ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद किया उन्होंने मरीजों से उपचार की गुणवत्ता, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों के व्यवहार, दवाओं की उपलब्धता और जांच सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की उन्होंने मरीजों से मिले फीडबैक के आधार पर अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले प्रत्येक मरीज के साथ मानवीय संवेदनाओं के अनुरूप व्यवहार किया जाना चाहिए किसी भी मरीज को उपचार के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े और गंभीर मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए उन्होंने स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया कि मरीजों की समस्याओं का समय पर समाधान किया जाए और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का अनुभव मिले कलेक्टर ने अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, आवश्यक जांच सुविधाओं और नियमित स्वास्थ्य सेवाओं की भी समीक्षा की उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों में साफ-सफाई, अनुशासन और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि शासन द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों तक

प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए विशेष रूप से वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए नियमित प्रयास किए जाएं उन्होंने कहा कि जिले का कोई भी नागरिक केवल दूरी या भौगोलिक कठिनाइयों के कारण उपचार से वंचित नहीं रहना चाहिए कलेक्टर ने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए टीम भावना के साथ कार्य करना आवश्यक है समय पर उपस्थित रहकर मरीजों को उपचार उपलब्ध कराना, स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी करना और लोगों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ज्ञानेंद्र मिश्रा, तहसीलदार नारायण सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मैहर जिला किसान कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित, नए पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस की मैहर जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल द्वारा नई कार्यकारिणी जारी करते हुए ब्लॉक अध्यक्षों और जिला पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है नई नियुक्तियां प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व की सहमति और अनुमोदन के बाद प्रभावी की गई हैं। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के अनुमोदन एवं निर्देश के बाद मैहर जिला किसान कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित की गई इस प्रक्रिया में मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह (राहुल भैया), अमरपाटन विधायक एवं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह तथा मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के विभाग एवं प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह चौहान की सहमति भी शामिल रही। जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की जिम्मेदारियां सौंपी हैं उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी पदाधिकारी कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति और सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करते हुए किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे और उनकी आवाज को मजबूती प्रदान करेंगे। घोषित कार्यकारिणी में जिले के विभिन्न ब्लॉकों के अध्यक्षों और जिला स्तर के पदाधिकारियों को शामिल किया गया है संगठन ने कहा कि नई टीम किसानों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करेगी किसान कांग्रेस ने बताया कि नई कार्यकारिणी आज से प्रभावी मानी जाएगी संगठन का उद्देश्य जिले में किसान हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना, किसानों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना और कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करना है नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय रहकर किसानों के बीच संगठन को मजबूत करेंगे और किसान हितों के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

दुग्ध समृद्धि अभियान से गांव बनेंगे आत्मनिर्भर, आधुनिक पशुपालन से किसानों की आय बढ़ेगी : सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और आधुनिक पशुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को सीधी जिले की ग्राम पंचायत रामपुर एवं पड़री में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा शामिल हुए इस दौरान उन्होंने किसानों, पशुपालकों और ग्रामीणों से संवाद कर वैज्ञानिक पशुपालन, गौ संरक्षण और आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत रामपुर में गौ पूजन के साथ हुआ सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौवंश का विशेष महत्व है और गौ आधारित कृषि एवं पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है उन्होंने जैविक खेती, गोबर से बायोगैस निर्माण, गौ आधारित उत्पादों के उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि इन उपायों को अपनाकर गांव ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकते हैं और किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकती है उन्होंने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए दुग्ध उत्पादन में आधुनिक तकनीकों का उपयोग समय की आवश्यकता है केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पशुपालकों को उन्नत नस्ल के पशु, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों का लाभ दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है सांसद डॉ. मिश्रा ने ग्राम पड़री में पशुपालक छोटेलाल जायसवाल के निवास पहुंचकर उनके पशुधन का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्हें बताया गया कि वहां मौजूद बछड़े कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशियल इन्सेमिनेशन) तकनीक से प्राप्त हुए हैं सांसद ने इसे आधुनिक पशुपालन का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि इस तकनीक से पशुधन की गुणवत्ता में सुधार, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि और पशुपालकों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण सफलता मिल रही है उन्होंने अधिक से अधिक किसानों और पशुपालकों से इस तकनीक को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान केवल जागरूकता कार्यक्रम नहीं बल्कि गांवों को आत्मनिर्भर बनाने का एक जनआंदोलन है ।

कुसमी में शिक्षा व्यवस्था सुधारने कलेक्टर का मैदानी निरीक्षण, प्राचार्यों और छात्रावास अधीक्षकों को दिए गुणवत्ता बढ़ाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जले में गुणवत्तापूर्ण और परिणामोन्मुख शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने शनिवार को कुसमी विकासखंड का व्यापक भ्रमण किया इस दौरान उन्होंने विद्यालयों, छात्रावासों और निर्माणाधीन शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों एवं शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कलेक्टर ने सांदीपनि विद्यालय कुसमी में प्राचार्यों और छात्रावास अधीक्षकों की बैठक लेकर शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के अधिगम स्तर, छात्रावास संचालन और मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है इसके लिए विद्यालयों में नियमित और प्रभावी शिक्षण कार्य सुनिश्चित किया जाए तथा विद्यार्थियों की प्रगति का लगातार मूल्यांकन किया जाए बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। साथ ही पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला, खेल गतिविधियों और विद्यालयों में उपलब्ध अन्य संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाए उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों में अनुशासन, नैतिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और प्रतियोगी सोच विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। छात्रावास व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधीक्षकों को निर्देश दिए कि छात्रावासों में स्वच्छता, सुरक्षा, पौष्टिक भोजन, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य परीक्षण और अन्य आवश्यक सुविधाएं निर्धारित मानकों के अनुसार उपलब्ध कराई जाएं उन्होंने कहा कि छात्रावास केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र हैं। कलेक्टर ने युवाओं को भारतीय सेना में अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित 'उजियार' कार्यक्रम के प्रभावी संचालन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर पात्र विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें अग्निवीर भर्ती की तैयारी के लिए नियमित प्रशिक्षण, शारीरिक अभ्यास, कैरियर मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान की जाए ताकि जिले के अधिक से अधिक युवा सफलता प्राप्त कर सकें निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सांदीपनि विद्यालय कुसमी, कुरूचु स्कूल भूइमाड़ और हाईस्कूल केशलार का भ्रमण किया उन्होंने कक्षाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, विद्यार्थियों की उपस्थिति, परीक्षा परिणाम, खेल गतिविधियों और परिसर की स्वच्छता का निरीक्षण किया विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

सगरा पुलिस ने चलाया नशामुक्ति जागरूकता अभियान, विद्यार्थियों को दिलाई नशे से दूरी की शपथ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' जागरूकता अभियान के तहत सगरा पुलिस ने सीएम राइज स्कूल सगरा में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा नशे से दूर रहने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। जागरूकता कार्यक्रम में उपनिरीक्षक दीपक तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो धीरे-धीरे व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार और पूरे समाज को प्रभावित करती है उन्होंने कहा कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और पारिवारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं में बढ़ता नशे का चलन एक गंभीर चिंता का विषय है कई बार इसकी शुरुआत केवल शौक, दोस्तों के दबाव या मानसिक तनाव के कारण होती है लेकिन धीरे-धीरे यही आदत गंभीर लत में बदल जाती है। इससे बचने के लिए जागरूकता और मजबूत इच्छाशक्ति सबसे बड़ा माध्यम है उपनिरीक्षक तिवारी ने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के तनाव या परेशानी की स्थिति में नशे का सहारा लेने के बजाय परिवार के सदस्यों, मित्रों या विशेषज्ञों से बातचीत करनी चाहिए उन्होंने कहा कि समय पर सही मार्गदर्शन और सहयोग मिलने से व्यक्ति नशे की आदत से बच सकता है। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों के व्यवहार और गतिविधियों पर ध्यान रखें तथा उनके साथ दोस्ताना संबंध बनाकर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास करें परिवार का सहयोग युवाओं को गलत रास्ते से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कार्यक्रम के दौरान स्कूल के समस्त शिक्षकों और विद्यार्थियों ने नशे से स्वयं दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी नशामुक्त बनाने में सहयोग करने की शपथ ली।

टिकुरी स्टॉप डैम में मिला अज्ञात महिला का शव, शिनाख्त में जुटी जैतपुर पुलिस

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई जब कुनुक नदी पर बने टिकुरी स्टॉप डैम में एक अज्ञात महिला का शव मिला सुबह ग्रामीणों ने पानी में शव देखा जिसके बाद उन्होंने तत्काल इसकी सूचना जैतपुर थाना पुलिस को दी घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकलवाया। पुलिस के शव काफी समय तक पानी में रहने के कारण उसकी पहचान तत्काल नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू कर दी है आसपास के गांवों में पूछताछ की जा रही है और ग्रामीणों से महिला के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है जैतपुर थाना पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान के लिए जिले और आसपास के क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों की भी जांच की जा रही है पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हाल के दिनों में किसी महिला के लापता होने की सूचना तो दर्ज नहीं कराई गई है। घटना की सूचना फैलते ही टिकुरी स्टॉप डैम के आसपास बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। हालांकि मौके पर मौजूद लोगों में से कोई भी महिला की पहचान नहीं कर सका पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी महिला के लापता होने की जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि पहचान की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

गुंडागर्दी कर पैसे मांगने और मारपीट करने वाला आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार, भेजा गया जेल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के पनवार थाना पुलिस ने गुंडागर्दी कर शराब पीने के लिए पैसे मांगने, मारपीट करने और वाहन में तोड़फोड़ करने वाले आरोपी को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरूकरन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देहात संदीप मिश्रा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी डभौरा नारायण सिंह कुमरे के निर्देशन में थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 16 जुलाई 2026 को फरियादी मुकेश कुमार हलवाई निवासी खोहा, थाना अतरेला, जिला रीवा ने पनवार

थाने में शिकायत दर्ज कराई थी फरियादी ने बताया कि वह ग्राम शिवपुर जा रहा था तभी शिवपुर निवासी प्रवेश उपाध्याय ने रास्ते में रोककर उससे शराब पीने के लिए पैसे की मांग की फरियादी द्वारा पैसे देने से मना करने पर आरोपी ने उसके साथ लाठी से मारपीट की और उसकी मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी प्रवेश उपाध्याय पिता ओम प्रकाश उपाध्याय, उम्र 26 वर्ष, निवासी शिवपुर थाना पनवार, के विरुद्ध अपराध क्रमांक 148/2026 दर्ज कर विवेचना शुरू की पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध गुंडागर्दी कर पैसे मांगने, मारपीट करने और वाहन क्षतिग्रस्त करने के मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में पनवार थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कन्हैया सिंह बघेल, प्रधान आरक्षक तनय तिवारी, आरक्षक शम्भू कुमार बिन्द और आरक्षक राकेश कुमार वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, भव्य स्वागत के लिए हिन्दू धर्म परिषद ने जताया आभार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भगवान जगन्नाथ जी की दो दिवसीय रथयात्रा में इस वर्ष श्रद्धा और आस्था का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। नगर सहित ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर रथयात्रा में सहभागिता की। रथयात्रा के भव्य आयोजन और ऐतिहासिक स्वागत के लिए हिन्दू धर्म परिषद ने नगरवासियों, सामाजिक संस्थाओं, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है रथयात्रा का शुभारंभ लक्ष्मणबाग से हुआ, जहां से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जनसमूह उमड़ पड़ा भगवान श्री जगन्नाथ जी के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूब गया रथयात्रा के निर्धारित मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया और अपनी धार्मिक आस्था का प्रदर्शन किया हिन्दू धर्म परिषद के अनुसार, इस बार रथयात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने 184 वर्षों की परंपरा में नया रिकॉर्ड बनाया नगर भ्रमण के दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चों ने रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए और धार्मिक आयोजन को सफल बनाया। रथयात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर भंडारों और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी मानस मंडल द्वारा आयोजित विशाल भंडारे सहित कई स्थानों पर अटका प्रसाद वितरित किया गया जिसे हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया भक्तों ने प्रसाद प्राप्त कर स्वयं को सौभाग्यशाली बताया और आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना की। रथयात्रा के दौरान रिदम म्यूजिकल ग्रुप द्वारा प्रस्तुत भगवान श्री जगन्नाथ जी की महिमा से जुड़े भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया भक्ति संगीत और जयकारों से श्रद्धालुओं में उत्साह और आस्था का संचार हुआ रथयात्रा मार्ग में बज रहे भजनों ने भक्तों को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराई। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा, संयोजक सुमित मांजवानी, सह संयोजक उमेश कुशवाहा, मार्गदर्शक डॉ. सी.बी. शुक्ला, डॉ. के.के. परौहा, डी.पी. सिंह परिहार, विजय मोहन तिवारी, अवधेश श्रीवास्तव और पन्नालाल अवस्थी ने रथयात्रा की सफलता के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया परिषद के पदाधिकारियों ने नगरवासियों द्वारा दिए गए सहयोग और सहभागिता की विशेष रूप से प्रशंसा की उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों की सफलता में समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। नगरवासियों ने जिस उत्साह और श्रद्धा के साथ रथयात्रा का स्वागत किया, वह रीवा की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को दर्शाता है। हिन्दू धर्म परिषद ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा रथयात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया परिषद ने कहा कि प्रशासन और आमजन के समन्वित प्रयासों से इतना बड़ा धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सका।

नशीली कैप्सूल तस्करी मामले में पवन उर्फ चिराग साकेत को 10 वर्ष का सश्रम कारावास

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नशीली कैप्सूल की तस्करी के मामले में विशेष न्यायालय एनडीपीएस एक्ट सतना ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी पवन उर्फ चिराग साकेत को दोषी करार दिया है विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट सतना के पीठासीन अधिकारी शशिकांत वर्मा ने आरोपी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है जानकारी के अनुसार यह मामला थाना सिटी कोतवाली सतना के अपराध क्रमांक 83/2024 से संबंधित है। प्रकरण क्रमांक SC NDPS/53/2024 में न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और अभियोजन पक्ष की दलीलों के आधार पर आरोपी पवन उर्फ चिराग साकेत को नशीली कैप्सूल की तस्करी का दोषी पाया। अभियोजन के अनुसार, आरोपी के विरुद्ध मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और परिवहन से संबंधित मामला दर्ज किया गया था पुलिस कार्रवाई के दौरान नशीली कैप्सूल बरामद की गई थीं इसके बाद आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच पूरी करने के बाद चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने आरोपी के विरुद्ध प्रस्तुत साक्ष्यों, दस्तावेजों और गवाहों के आधार पर अपना पक्ष रखा न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को दोषी मानते हुए सजा सुनाई विशेष न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय में आरोपी को 10 वर्ष का कठोर कारावास भुगतने के साथ ही 1 लाख रुपये का अर्थदंड जमा करने का आदेश दिया गया है।

इरादों की नई कार्यशैली

संपादकीय

हर सरकार को अपनी कार्यशैली का एक नक्शा जमीन पर उतारना पड़ता है और इस लिहाज से सुक्खू सरकार ने अपने इरादे चिन्हित कर दिए हैं। मंडे बैठकों के दौर के बाद उच्च स्तरीय बैठकों में इरादों की कार्यशैली स्पष्ट हो रही है। मेडिकल कालेजों को श्रेष्ठ मेडिकल कालेजों के बाद अब जिला, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों की सुध में नई इच्छा शक्ति जागृत हुई है। आज भी स्वास्थ्य के परिप्रेक्ष्य में पहली दस्तक नजदीकी अस्पतालों और खास तौर पर जिला, क्षेत्रीय या जोनल अस्पतालों में होती है। अगर जिलों की ओपीडी जिला स्तरीय अस्पतालों में संतुष्ट हो जाए, तो मेडिकल कालेज और श्रेष्ठ तथा गुणवत्ता पूर्ण सेवाओं का पैमाना तय कर पाएंगे। इसी संदर्भ में हिमाचल सरकार एमआरआई मशीनों तथा डिजिटल मैमोग्राफी सुविधा का विस्तार बिलासपुर, कुल्लू, ऊना, सोलन, धर्मशाला तथा पालमपुर जैसे अस्पतालों में कर रही है। इसके अलावा मेडिकल कालेजों में 256 स्लाइस हाई एंड सीटी स्कैन तथा डिजिटल-एक्सरे मशीनें आ रही हैं। जाहिर है निरीक्षण-परीक्षण की दृष्टि से बहुत कुछ मुकम्मल होगा।

निजी क्षेत्र के सामने हिमाचल की स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा सुदृढ़ होगा, तो मरीजों का विश्वास आज भी सरकारी अस्पतालों को अहमियत दे रहा है। हमारा मानना है कि हिमाचल को रोग विशेष के आधार पर क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को राज्य स्तरीय दर्जा देना होगा। मसलन कोई एक अस्पताल अगर न्यूरो की दक्षता में संपूर्ण सुसज्जित हो तो उसे इस विषय का राज्य स्तरीय अस्पताल घोषित किया जाए। इसी तरह गैस्ट्रो, मधुमेह, यूरोलॉजी, हड्डी रोग, हार्ट व अन्य रोग विशेष के राज्य स्तरीय अस्पताल बना देने चाहिएं। इससे अनुसंधान, निपुणता व दक्षता को नया आयाम मिलेगा तथा राज्य में सुपरस्पेशियलिटी की श्रृंखला बन जाएगी। हिमाचल को कुछ अस्पतालों को पर्यटन से जोड़ कर देखते हुए हैल्थ टूरिज्म प्रोमोट करना होगा। मसलन कुल्लू-मनाली, शिमला व धर्मशाला के अस्पतालों में हैल्थ टूरिज्म की संभावनाएं देखी जानी चाहिएं, जबकि पपरोला आयुर्वेदिक चिकित्सालय के साथ-साथ कुछ अन्य आयुर्वेदिक अस्पताल भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवाएं दे सकते हैं। बहुत सारे विदेशी हिमाचल के धर्मशाला व मनाली प्रवास के दौरान डेंटल व आंख परीक्षण की सस्ती सुविधाओं से अभिभूत होते हैं। इतना ही नहीं हिमाचल के पचास साठ शहरों के लिए अब सिटी अस्पतालों की श्रृंखला में निजी निवेश प्रोत्साहित करने की योजना बनानी होगी। बहरहाल हिमाचल की सुक्खू सरकार काम, प्रगति और परियोजनाओं की निरंतरता में जो नक्शे बना रही है, उसमें सबसे अधिक निवेश और निष्कर्ष कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार को लेकर निकल रहे हैं। विस्थापन से पुनर्वास तक कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार, पूरे देश के लिए एक मिसाल है। राहत के मायने मानवीय हैं, साथ ही दृढ़ प्रतिज्ञा इरादों की बुलंदी भी जाहिर करते हैं। अंतिम दौर में पहुंचा कार्य यह एहसास दिलाता है कि वर्तमान सरकार इस ऐतिहासिक कार्य की हर ईंट पर अपना नाम लिख रही है। दो सौ करोड़ की एक और किस्त से शामलात पर खड़े अवैध कब्जे भी मरहम-पट्टी करवा रहे हैं, ताकि गगल को बहुआयामी व्यापार का नाम देने वाले निराश होकर ठोकरें न खाएं। अब तक 2263 करोड़ का आबंटन साबित करता है कि सरकारें चाहें, तो अपने इरादों की मीनारें ऊंची कर सकती हैं। अब देखना यही बाकी है कि अंतिम डेढ़ साल की परिक्रमा में सुक्खू के नेतृत्व में मिशन रिपीट की सतह पर आगे कौन सी बुलंदी रेखांकित होती है।

न्यायिक यथार्थता और कानून का शासन- एक सुधारात्मक दृष्टिकोण

अनिल कुमार

न्यायपालिका को किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। एक सभ्य समाज में, जहाँ कानून का शासन (Rule of La2) सर्वोपरि है, वहाँ आम नागरिक का न्याय प्रणाली पर अटूट विश्वास होता है। अदालत में न्यायाधीश केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि न्याय का साक्षात प्रतीक माना जाता है। ऐसे में यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि न्यायालयों द्वारा दिए जाने वाले निर्णय न केवल निष्पक्ष हों, बल्कि स्थापित विधियों, संहिताओं और तय विधिक प्रक्रियाओं के अनुसार पूर्णतः सटीक भी हों। जब कानून के प्रावधानों की गलत व्याख्या हो जाए या बुनियादी प्रक्रियात्मक त्रुटियों को नजरअंदाज कर दिया जाए, तो इसके गंभीर सामाजिक, आर्थिक और विधिक परिणाम सामने आते हैं। इस विधिक परिदृश्य को न्याय प्रणाली पर पड़ने वाले विपरीत प्रभावों तथा सुधार के व्यावहारिक उपायों के रूप में विश्लेषित किया जा सकता है।

(अ) विधिक त्रुटियों के सामाजिक और प्रणालीगत प्रभाव-

1. न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता में कमी-

एक आम नागरिक जब किसी विवाद को लेकर अदालत में आता है, तो वह यह मानकर आता है कि कानून की किताबों में जो स्थापित नियम लिखे हैं, उन्हें उसी रूप में न्यायसंगत तरीके से लागू किया जाएगा। लेकिन जब विधिक प्रक्रिया में स्पष्ट विधिक सिद्धांतों या विशेष अधिनियमों की प्राथमिक तालिकाओं को दरकिनार कर सरसरी तौर पर निष्कर्ष निकाल दिए जाते हैं, तो जनता का न्याय व्यवस्था से भरोसा डगमगाने लगता है। समाज में यह भ्रामक संदेश जाता है कि न्याय विधिक सटीकता पर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत दृष्टिकोण या भाग्य पर निर्भर करता है।

2. मुकदमों की बहुलता (Multiplicity of Litigation): अधीनस्थ अदालत के किसी भी गलत या विधिक रूप से विरोधाभासी आदेश का सीधा परिणाम यह होता है कि पीड़ित पक्ष को न्याय पाने के लिए ऊपरी अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। इससे अपीलीय मुकदमों की संख्या में अनावश्यक वृद्धि होती है और न्यायालयों पर बोझ बढ़ता है। आम नागरिक का कीमती समय, धन और मानसिक शांति नष्ट होती है। जो मामला प्रारंभिक स्तर पर ही सही विधिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग से निस्तारित हो सकता था, वह दशकों तक खिंचने वाला एक नया कानूनी विवाद बन जाता है।

3. विशेष कानूनों (Special Laws) की प्रभावहीनता: विधायिका अक्सर समाज की विशिष्ट आवश्यकताओं या विशेष संपत्तियों के प्रबंधन को ध्यान में रखकर विशेष अधिनियम बनाती है। स्थापित कानूनी सिद्धांत है कि विशेष कानून हमेशा सामान्य कानून पर प्रभावी होता है।* यदि अदालतें सामान्य कानूनों की अभ्यस्तता के कारण विशेष अधिनियमों की प्राथमिकताओं और अनिवार्यताओं को अनदेखा कर आदेश पारित करने लगें, तो उन विशेष कानूनों का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है।

4. शुद्ध कानूनी प्रश्नों को साक्ष्य पर टालना-

जब कोई विवाद विशुद्ध रूप से कानून की व्याख्या या दस्तावेजों पर आधारित होता है, तो उसे त्वरित रूप से तय किया जाना चाहिए। विधिक रूप से स्पष्ट प्रश्नों को भी साक्ष्य या गवाही का विषय बनाकर भविष्य पर टाल देना एक कमजोर न्यायिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। इससे न केवल मुकदमे की प्रक्रिया लंबी होती है, बल्कि एक अनधिकृत व्यक्ति को भी मुकदमे में बने रहने का अनुचित अवसर मिल जाता है।

सप्त (ब) न्याय की गुणवत्ता में सुधार के आवश्यक कदम-

न्यायिक व्यवस्था को समाज में सर्वोपरि बनाए रखने के लिए निम्नलिखित सुधारात्मक कदम उठाए जाने आवश्यक हैं-

निरंतर न्यायिक प्रशिक्षण (Continuous Judicial Training): बदलते कानूनों, विशेष राज्य अधिनियमों और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम निर्णयों से अवगत रहने के लिए न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं के लिए निरंतर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि सामान्य और विशेष कानूनों का अंतर स्पष्ट रहे।

भारत में जुआ सट्टेबाजी एवं कैसीनो विनियमन कानून

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।ऐसे समय में देश के सामने केवल आर्थिक विकास की चुनौती नहीं है,बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, कानून का प्रभावी शासन, युवाओं का भविष्य और डिजिटल युग में बदलती जीवनशैली के अनुरूप आधुनिक कानून बनाने की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। जुआ, कैसीनो और ऑनलाइन सट्टेबाजी इन्हीं विषयों में से एक है, जिसपर लंबे समय से देश में स्पष्ट, समग्र और आधुनिक नीति का अभाव दिखाई देता है। भारत में जुआ और कैसीनो के लिए कोई एक समान केंद्रीय (राष्ट्रीय) कानून नहीं है।अधिकांश मामलों में अभी भी पब्लिक गेबलिंग एक्ट,1867 (जहाँ लागू है) तथा राज्यों के अपने- अपने कानून लागू होते हैं। गोवा,सिक्किम और कुछ हद तक दमन-दीव में लाइसेंस प्राप्त कैसीनो की अनुमति है, जबकि कई राज्यों में जुआ पूर्ण या आंशिक रूप से प्रतिबंधित है। इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर एक समान मॉडल कानून की आवश्यकता की चर्चा समय-समय पर होती रही है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते बताना चाहूंगा कि, वर्तमान डिजिटल प्रौद्योगिकी के दौर में सोशल मीडिया,ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन कसीनो,बेटिंग ऐप्स,फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफ़ॉर्म शॉर्ट वीडियो ऐप्स, लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म,एआई आधारित चैट प्लेटफ़ॉर्म, वीडियो शेयरिंग साइट्स तथा अन्य डिजिटल माध्यमों का प्रभाव तेजी से बढ़ा है।इनका सकारात्मक उपयोग शिक्षा, नवाचार और संचार के लिए उपयोगी है,लेकिन अनियंत्रित और कम उम्र में उपयोग बच्चों एवं युवाओं में नशे जैसी डिजिटल लत,मानसिक तनाव,पढ़ाई में गिरावट, आर्थिक नुकसान और सामाजिक समस्याओं का कारण भी बन रहा है।इसी चिंता को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर कड़े प्रतिबंधों की दिशा में कदम उठाए हैं,जबकि ब्रिटेन सहित कई देशों ने आयु सत्यापन ऑनलाइन सुरक्षा और बाल संरक्षण संबंधी नियमों को सख्त बनाया है।भारत में भी डिजिटल सुरक्षा,ऑनलाइन गेमिंग और बच्चों की सुरक्षा को लेकर नीतिगत स्तरपर लगातार विचार-विमर्श और नियामकीय सटीकता से प्रयास जारी हैं।

साथियों, इसी क्रम में गोवा सरकार ने 16 जुलाई 2026 को अधिसूचित गोवा कसीनो (संशोधन) कानून के तहत कसीनो में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित कर दी। इसका उद्देश्य युवाओं को जुए की लत और उसके सामाजिक-आर्थिक दुष्प्रभावों से बचाना हैवर्तमान में अधिकांश भारतीय राज्यों में कसीनो या ऑनलाइन जुए के संबंध में अलग-अलग कानून हैं, लेकिन गोवा की तरह 21 वर्ष की स्पष्ट आयु-सीमा का मॉडल सभी राज्यों में समान रूप से लागू नहीं है। कई राज्यों ने जुए पर पूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगाया है,

जबकि कुछ राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी पर अलग-अलग नियम बनाए हैं।आज आवश्यकता इस बात की है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर बच्चों और युवाओं की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया,ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन कसीनो और अन्य व्यसनी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर प्रभावी आयु सत्यापन, समय-सीमा, अभिभावकीय नियंत्रण तथा कठोर नियामकीय व्यवस्था लागू करें। यदि गोवा का 21 वर्ष आयु-सीमा मॉडल अन्य राज्यों में भी अपनाया जाता है,तो यह युवा पीढ़ी को डिजिटल और जुए की लत से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो सकता है। साथियो 16 जुलाई 2026 से गोवा सरकार द्वारा उठाए गए दो महत्वपूर्ण कदम, 21 वर्ष से कम आयु के युवाओं के कैसीनो में प्रवेश पर प्रतिबंध तथा कैसीनो उद्योग पर कर एवं नियामक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने की पहल ने राष्ट्रीय स्तर पर एक नई बहस को जन्म दिया है। यह बहस केवल गोवा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रश्न पूरे भारत के सामने खड़ा करती है कि यदि किसी राज्य में कैसीनो या जुए की अनुमति है,तो क्या उसे सख्त कानून पारदर्शी कर व्यवस्था और सामाजिकउत्तरदायित्व के दायरे में नहीं लाया जाना चाहिए?और यदि किसी राज्य में इसकी अनुमति नहीं है,तो क्या अवैध जुआ और ऑनलाइन सट्टेबाजी पर नियंत्रण के लिए सटीकता से आधुनिक कानून नहीं बनने चाहिए? साथियों, गोवा भारत का प्रमुख पर्यटन राज्य है,जहाँ वर्षों से लाइसेंस प्राप्त कैसीनो संचालित हो रहे हैं। देश और विदेश से आने वाले पर्यटक राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।कैसीनो उद्योग से सरकार को राजस्व प्राप्त होता है,हजारों लोगों को रोजगार मिलता है और पर्यटन क्षेत्र को गति मिलती है। किंतु दूसरी ओर जुए की लत,आर्थिक बर्बादी, पारिवारिक विवाद,मानसिक तनाव,अपराध और युवाओं पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव जैसी चिंताएँ भी सामने आती रही हैं। इसलिए गोवा सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि आर्थिक गतिविधि तभी स्वीकार्य है,जब वह सामाजिक उत्तरदायित्व और सख्त कानूनी निगरानी के साथ संचालित हो।21 वर्ष से कम आयु के युवाओं के कैसीनो में प्रवेश पर प्रतिबंध एक अत्यंत दूरदर्शी कदम माना जा सकता है। विश्वभर के मनोवैज्ञानिक और न्यूरोसाइंस विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरावस्था और प्रारंभिक युवावस्था में निर्णय लेने की क्षमता पूरी तरह परिपक्व नहीं होती। इस आयु में जोखिम उठाने की प्रवृत्ति अधिक होती है और तत्काल लाभ का आकर्षण व्यक्ति को गलत निर्णयों की ओर ले जा सकता है। यदि इस अवस्था में जुए की लत लग जाए तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नहीं बल्कि मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर भी पड़ता है। इसलिए गोवा का यह निर्णय केवल प्रवेश रोकने का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सुरक्षा का निर्णय है।

साथियों गोवा सरकार का दूसरा महत्वपूर्ण कदम कैसीनो उद्योग को अधिक उत्तरदायी कर व्यवस्था और नियामक ढाँचे के अंतर्गत लाने का है। किसी भी आर्थिक गतिविधि का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं होना चाहिए। यदि सरकार कर के माध्यम से प्राप्त राजस्व का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य,खेल, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर करती है,तो यह व्यवस्था समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। कराधान का अर्थ केवल सरकारी आय बढ़ाना नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों में सटिका से पारदर्शिता,जवाबदेही और वैधता स्थापित करना भी होता है। साथियों,भारत में वर्तमान स्थिति काफी असमान है।गोवा सिक्किम और दमन जैसे कुछ क्षेत्रों में सीमित रूप से कैसीनो की अनुमति है, जबकि अधिकांश राज्यों में सार्वजनिक जुआ प्रतिबंधित है।इसके बावजूदऑनलाइन जुआ विदेशी बेटिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल सट्टेबाजी का तेजी से विस्तार हो रहा है। लाखों भारतीय मोबाइल फोन के माध्यम से ऐसे प्लेटफॉर्म तक पहुँच रहे हैं, जिन पर राज्य सरकारों का प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है। इससे कर चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग, साइबर अपराध और युवाओं में जुए की लत जैसी समस्याएँ बढ़ने की आशंका बनी रहती है। यह स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि केवल पुराने कानूनों के सहारे आधुनिक डिजिटल चुनौतियों का सटीकता से समाधान संभव नहीं है।

साथियों, भारत में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जुआ और सट्टेबाजी से जुड़े अनेक कानून औपनिवेशिक काल के हैं,जबकि आज की दुनियाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता,डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन गेमिंग के युग में प्रवेश कर चुकी है। आज कोई व्यक्ति कुछ ही मिनटों में मोबाइल फोन से अंतरराष्ट्रीय बेटिंग वेबसाइट पर पैसा लगा सकता है।यदि सरकार केवल प्रतिबंध की नीति अपनाती है, तो अवैध गतिविधियाँ भूमिगत हो जाती हैं। यदि पूर्ण स्वतंत्रता देती है, तो सामाजिक नुकसान बढ़ सकता है।इसलिए आवश्यकता एक संतुलित नीति की है,जहाँ सटीकता से कानून भी हो,निगरानी भी हो और सामाजिक उत्तरदायित्व भी हो।

साथियों, मेरे विचार से भारत को अब एक मॉडल जुआ एवं कैसीनो विनियमन कानून (मॉडल गंबलिंग एंड कैसीनो रेगुलेशन लॉ) तैयार करना चाहिए। यह कानून पूरे देश पर अनिवार्य रूप से लागू न होकर राज्यों के लिए एक आदर्श मॉडल हो सकता है।प्रत्येक राज्य अपनी सामाजिक सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार इसे अपनाने या संशोधित करने का अधिकार रखे।इससे देशभर में न्यूनतम कानूनी मानक (मिनिमम् लीगल स्टैण्डर्ड्स) स्थापित होंगे और कानूनी अस्पष्टता दूर होगी।इस मॉडल कानून का पहला सिद्धांत होना चाहिए, युवाओं की सुरक्षा सर्वोपरि। पूरे देश में 21 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति के कैसीनो या उच्च जोखिम वाले जुआ प्लेटफॉर्म तक पहुँचने पर प्रतिबंध होना चाहिए। आधार, पासपोर्ट या अन्य सरकारी पहचान-पत्र के माध्यम से डिजिटल आयु सत्यापन अनिवार्य बनाया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों पर भारी जुर्माना, लाइसेंस रद्द करने और आपराधिक कार्रवाई का सटीकता से प्रावधान होना चाहिए।

साथियों, दूसरा महत्वपूर्ण प्रावधान जिम्मेदार जुआ (रिस्पांसिबल गेबलिंग) होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को जुए की लत से बचाना चाहता है,तो उसे स्वैच्छिक प्रतिबंध का अधिकार मिलना चाहिए। परिवार के सदस्यों को भी विशेष परिस्थितियों में न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से ऐसे व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगाने का अधिकार मिल सकता है।प्रत्येक कैसीनो में सटीकता से मनोवैज्ञानिक परामर्श, हेल्पलाइन चेतावनी संदेश और नशामुक्ति सहायता केंद्र अनिवार्य किए जाने चाहिए।

साथियों, तीसरा व चौथा महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शी कर व्यवस्था है। कैसीनो उद्योग से प्राप्त राजस्व का निश्चित प्रतिशत शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, मानसिक स्वास्थ्य, नशामुक्ति अभियान और महिला सुरक्षा कार्यक्रमों पर खर्च करना कानून द्वारा अनिवार्य किया जा सकता है। इससे जनता को यह विश्वास मिलेगा कि सरकार केवल कर संग्रह नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक कल्याण के लिए उसका उपयोग भी कर रही है।चौथा पक्ष डिजिटल और ऑनलाइन जुए का नियमन है। विदेशी बेटिंग प्लेटफ़ॉर्म, अवैध ऐप और अनधिकृत वेबसाइटें भारतीय युवाओं को तेजी से आकर्षित कर रही हैं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, रिजर्व बैंक, प्रवर्तन निदेशालय, साइबर पुलिस और राज्यों की एजेंसियों के बीच समन्वित व्यवस्था विकसित कर ऐसे प्लेटफ़ॉर्मों पर प्रभावी नियंत्रण सटीकता से स्थापित किया जाना चाहिए।

साथियों, कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि जुआ सामाजिक बुराई है और इसे पूरी तरह प्रतिबंधित कर देना चाहिए। यह विचार अपनी जगह सम्माननीय है।वहीं दूसरा पक्ष कहता है कि जहाँ माँग मौजूद है, वहाँ पूर्ण प्रतिबंध से अवैध बाजार और संगठित अपराध बढ़ते हैं। विश्व के अनेक देशों का अनुभव बताता है कि कठोर नियमन, पारदर्शी कर व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा उपाय पूर्ण प्रतिबंध की तुलना में अधिक प्रभावी सिद्ध हुए हैंइसलिए प्रत्येक राज्य को अपनी परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए, किंतु किसी भी स्थिति में अवैध जुए और डिजिटल सट्टेबाजी को कानून से बाहर नहीं छोड़ा जा सकता।

साथियों, मेरे मत में भारत सरकार को विधि आयोग, नीति आयोग, गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा सभी राज्यों के प्रतिनिधियों की एक उच्चस्तरीय समिति गठित करनी चाहिए। यह समिति विश्व के सफल मॉडलों का अध्ययन कर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप एक व्यापक मॉडल कानून तैयार करे। इस कानून में 21 वर्ष की न्यूनतम आयु, डिजिटल पहचान सत्यापन, लाइसेंस प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी, मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी नियम, जिम्मेदार जुआ कार्यक्रम, स्वैच्छिक प्रतिबंध व्यवस्था, कर पारदर्शिता, नियमित ऑडिट, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का पंजीकरण, भ्रामक विज्ञापनों पर रोक तथा कठोर दंड जैसी व्यवस्थाएँ शामिल होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक का व्यक्तिगत त्याग शिक्षा सुधार के राष्ट्रीय आंदोलन की प्रेरणा बने

जब संसद का सत्र शुरू होता है तो देश की निगाहें बहस, हंगामे और नए कानूनों पर टिक जाती हैं। टेलीविजन चैनलों पर राजनीतिक समीकरणों का विश्लेषण शुरू हो जाता है और सुर्खियां यह तय करने लगती हैं कि कौन जीता और कौन हारा। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक सफलता का आकलन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि संसद ने कितने विधेयक पारित किए। असली सवाल यह है कि संसद ने देश के सामने मौजूद सबसे महत्वपूर्ण सवालों को कितनी गंभीरता से उठाया और उनके समाधान के लिए क्या ठोस कदम उठाए।

सौरभ जैन अंकित

आज ऐसा ही एक बड़ा सवाल संसद के बाहर खड़ा है, भारत की शिक्षा व्यवस्था का भविष्य क्या होगा?

सामाजिक कार्यकर्ता, वैज्ञानिक, इंजीनियर और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक का अनिश्चितकालीन अनशन इसी सवाल को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला रहा है। उनका संघर्ष केवल किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार के खिलाफ आंदोलन नहीं है। यह उस शिक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता है, जो देश के करोड़ों बच्चों और युवाओं का भविष्य तय करती है।

सोनम वांगचुक की पत्नी की चिंता स्वाभाविक है। हर दिन अपने पति के कमजोर होते शरीर को देखना किसी भी परिवार के लिए पीड़ादायक होगा। लेकिन यह व्यक्तिगत चिंता अब राष्ट्रीय चिंता बन चुकी है। जब कोई व्यक्ति अपने विश्वास और उद्देश्य के लिए अहिंसक तरीके से व्यक्तिगत त्याग का रास्ता चुनता है, तो उसका उद्देश्य केवल सरकार को झुकाना नहीं होता। वह समाज और सत्ता की अंतरात्मा को जगाने का प्रयास करता है।

यही कारण है कि इस आंदोलन का परिणाम यदि केवल केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे या मंत्रालय में फेरबदल तक सीमित रह जाता है, तो यह एक बड़े राष्ट्रीय प्रश्न को छोटा कर देगा। लोकतंत्र में मंत्रियों की जवाबदेही आवश्यक है। यदि कोई मंत्री अपने विभाग की विफलताओं की जिम्मेदारी नहीं लेता, तो उससे इस्तीफे की अपेक्षा करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। लेकिन व्यक्ति बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। मंत्री आते-जाते रहते हैं, सरकारें बदलती रहती हैं, राजनीतिक दल सत्ता में आते-जाते रहते हैं, लेकिन शिक्षा संस्थाएं और नीतियां लंबे समय तक समाज को प्रभावित करती हैं।

इसलिए आज भारत को केवल शिक्षा मंत्री बदलने की नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की दिशा बदलने की जरूरत है।लगभग डेढ़ दशक पहले भारत की करीब आधी आबादी 25 वर्ष से कम आयु की थी। अर्थशास्त्रियों ने इसे भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश कहा। दुनिया के किसी भी देश के लिए इतनी बड़ी युवा आबादी एक असाधारण अवसर होती है। यदि इस युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर मिलें, तो यह देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

भारत ने शिक्षा के क्षेत्र में पहुंच बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्कूलों और कॉलेजों की संख्या बढ़ी है। नामांकन में वृद्धि हुई है। शिक्षा का विस्तार पहले की तुलना में कहीं अधिक हुआ है। लेकिन केवल स्कूल और कॉलेज बढ़ा देना शिक्षा की सफलता का प्रमाण नहीं है। असली सवाल यह है कि बच्चे और युवा वास्तव में क्या सीख रहे हैं।

आज भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी कक्षा के अनुरूप पढ़ने, लिखने और गणितीय कौशल में अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाते। उच्च शिक्षा में भी डिग्रियों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन शोध, नवाचार, आलोचनात्मक सोच और रोजगारपरक कौशल के क्षेत्र में अभी लंबी दूरी तय करनी है।

भारत यदि स्वयं को 'विश्वगुरु' बनाना चाहता है, तो उसे केवल अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा व्यवस्था में शामिल करने से आगे बढ़ना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना और डिग्री देना नहीं हो सकता। शिक्षा का उद्देश्य जिज्ञासा पैदा करना, तर्कशील सोच विकसित करना, रचनात्मकता को बढ़ावा देना और युवाओं को बदलती दुनिया के लिए तैयार करना होना चाहिए। भारत की शिक्षा नीति को राजनीतिक दलों की सीमाओं से ऊपर उठाना होगा। शिक्षा ऐसा विषय नहीं हो सकता जो हर सरकार के साथ बदल जाए। देश को शिक्षा के क्षेत्र में दीर्घकालिक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। सरकार कोई भी हो, शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक प्रशिक्षण, शोध, तकनीकी शिक्षा, मातृभाषा में सीखने, डिजिटल संसाधनों और रोजगारपरक कौशल पर निरंतर काम होना चाहिए।

शिक्षा भारत का पहला वास्तविक सर्वदलीय राष्ट्रीय मिशन बन सकती है। जिस तरह देश ने अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और कुछ अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में दीर्घकालिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित किया, उसी तरह शिक्षा को भी राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा।

सोनम वांगचुक का व्यक्तिगत त्याग इस बड़े उद्देश्य की शुरुआत बन सकता है। उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता अपनी जगह है, लेकिन उनके आंदोलन से उठे सवालों को केवल एक व्यक्ति के अनशन तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। यह आंदोलन देश को यह सोचने का अवसर दे रहा है कि आने वाली पीढ़ियों को हम कैसी शिक्षा देना चाहते हैं।

चिरमिरी के विकास कार्यों पर SECL की आपत्ति, अंबेडकर भवन के बाद नालंदा परिसर निर्माण पर भी लगा ब्रेक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले के चिरमिरी में विकास कार्यों को लेकर नगर पालिक निगम और साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के बीच विवाद गहराता जा रहा है। एसईसीएल ने पहले सर्व मांगलिक अंबेडकर भवन के निर्माण पर आपत्ति जताई थी और अब राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी नालंदा परिसर परियोजना पर भी तकनीकी आधार पर रोक लगाने की बात कही है लगातार सामने आ रही इन आपत्तियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी है उनका कहना है कि विकास कार्यों में बार-बार आ रही बाधाओं से शहर के बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं का विस्तार प्रभावित हो रहा है चिरमिरी कोयला उद्योग पर आधारित शहर है और इसका बड़ा हिस्सा एसईसीएल की लीज भूमि पर स्थित है। इसी वजह से अधिकांश सार्वजनिक निर्माण कार्यों के लिए एसईसीएल की अनुमति आवश्यक होती है। नगर निगम का कहना है कि विकास योजनाएं जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जाती हैं, लेकिन भूमि संबंधी आपत्तियों के कारण कई परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो पा रही हैं।

अंबेडकर भवन निर्माण पर पहले भी जताई थी आपत्ति: जानकारी के अनुसार करीब 2 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सर्व मांगलिक अंबेडकर भवन के निर्माण कार्य पर भी एसईसीएल ने पूर्व में आपत्ति दर्ज कराई थी यह भवन शहर के लोगों के लिए विवाह, सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनने वाला था स्थानीय लोगों का मानना है कि इस भवन के बनने से आम नागरिकों को निजी भवनों पर अधिक खर्च नहीं करना पड़ता और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होती। हालांकि एसईसीएल ने तकनीकी और भूमि संबंधी कारणों का हवाला देते हुए निर्माण पर आपत्ति जताई जिससे परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी। इस निर्णय के बाद स्थानीय स्तर पर विरोध भी देखने को मिला था।

अब नालंदा परिसर पर भी रोक: अंबेडकर भवन के बाद अब करीब 4 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित नालंदा परिसर के निर्माण पर भी एसईसीएल ने आपत्ति दर्ज की है इस संबंध में कंपनी प्रबंधन ने नगर पालिक निगम और स्थानीय प्रशासन को पत्र भेजकर अपनी आपत्ति से अवगत कराया है नालंदा परिसर राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक अध्ययन की सुविधाएं उपलब्ध कराना है इस परिसर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष, डिजिटल संसाधन और अन्य शैक्षणिक सुविधाएं विकसित की जानी हैं। स्थानीय विद्यार्थियों का मानना है कि इस परियोजना के शुरू होने से उन्हें बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और बेहतर अध्ययन वातावरण अपने शहर में ही मिल सकेगा।

जनप्रतिनिधियों और नागरिकों में नाराजगी: लगातार दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर आपत्ति के बाद जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने एसईसीएल के रवैये पर सवाल उठाए हैं उनका कहना है कि चिरमिरी जैसे खनन क्षेत्र में वर्षों से कोयला उत्पादन के माध्यम से देश और प्रदेश को आर्थिक लाभ मिलता रहा है लेकिन जब शहर के विकास की बात आती है तो विभिन्न तकनीकी कारणों का हवाला देकर परियोजनाओं को रोक दिया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि भूमि संबंधी कोई तकनीकी समस्या है तो उसका समाधान आपसी समन्वय से निकाला जाना चाहिए ताकि विकास कार्य प्रभावित न हों। उनका मानना है कि शिक्षा, सामाजिक गतिविधियों और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

भूमि विवाद बना बड़ी चुनौती: विशेषज्ञों का मानना है कि खनन क्षेत्रों में विकास कार्यों के दौरान भूमि स्वामित्व और लीज से जुड़े नियम अक्सर चुनौती बन जाते हैं। एसईसीएल की लीज भूमि पर किसी भी स्थायी निर्माण से पहले तकनीकी परीक्षण और अनुमति की प्रक्रिया पूरी करनी होती है यदि निर्माण प्रस्ताव खनन गतिविधियों, सुरक्षा मानकों या भविष्य की परियोजनाओं को प्रभावित करता है तो कंपनी आपत्ति दर्ज कर सकती है। दूसरी ओर नगर निगम का तर्क है कि शहर की बढ़ती आबादी और जरूरतों को देखते हुए सार्वजनिक भवनों और शैक्षणिक परिसरों का निर्माण आवश्यक है ऐसे में राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और एसईसीएल के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर समाधान निकालना समय की मांग है। फिलहाल नगर पालिक निगम और प्रशासन एसईसीएल की आपत्तियों का अध्ययन कर रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि दोनों पक्षों के बीच चर्चा के बाद कोई व्यावहारिक समाधान निकाला जाएगा, ताकि विकास परियोजनाएं आगे बढ़ सकें। शहर के नागरिकों की भी यही अपेक्षा है कि तकनीकी और प्रशासनिक अड़चनों को दूर कर अंबेडकर भवन और नालंदा परिसर जैसी जनहित की योजनाओं को शीघ्र शुरू किया जाए।

शिवपुरी में धान के खेत में दिखा 6 फीट लंबा मगरमच्छ, दहशत में आए ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने से जंगली जीव अब आबादी और खेतों की ओर पहुंचने लगे हैं। शुक्रवार को ग्राम अकोदा में उस समय हड़कंप मच गया जब धान की रोपाई कर रहे मजदूरों ने खेत में करीब 6 फीट लंबा मगरमच्छ देखा मगरमच्छ दिखाई देते ही मजदूर काम छोड़कर खेत से बाहर निकल आए और इसकी सूचना ग्रामीणों को दी जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे की है गांव के पास नदी किनारे स्थित खेत में मजदूर धान की रोपाई कर रहे थे। इसी दौरान पानी में अचानक हलचल हुई पहले उन्हें किसी बड़े जीव की मौजूदगी का अंदेशा हुआ लेकिन पास जाकर देखने पर खेत के बीचों-बीच मगरमच्छ दिखाई दिया इसके बाद मजदूरों ने तुरंत खेत खाली कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए ग्रामीणों का मानना है कि लगातार हो रही बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ने से मगरमच्छ बहकर खेत तक पहुंच गया बारिश के मौसम में नदी और नालों से मगरमच्छ सहित अन्य जंगली जीवों के बाहर निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम तक मगरमच्छ खेत में ही मौजूद रहा। रात होने के बाद भी वह बाहर नहीं निकला जिसके चलते आसपास के गांवों से भी लोग उसे देखने पहुंचे हालांकि ग्रामीणों ने सुरक्षित दूरी बनाए रखी और किसी ने भी मगरमच्छ के पास जाने का प्रयास नहीं किया। बारिश के मौसम को देखते हुए प्रशासन और वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है अधिकारियों ने कहा है कि यदि किसी क्षेत्र में मगरमच्छ या अन्य जंगली जीव दिखाई दें तो उनसे दूरी बनाए रखें भीड़ न लगाएं और तत्काल वन विभाग या संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दें ।

मध्यप्रदेश पुलिस में सूबेदार (अ) (स्टेनो) व एएसआई भर्ती पूरी, 438 अभ्यर्थियों का अंतिम चयन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में लंबे समय से रिक्त पड़े स्टेनोग्राफर एवं कार्यालयीन पदों को भरने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सूबेदार (अ) (स्टेनो) एवं सहायक उप निरीक्षक (अ) भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है भर्ती परीक्षा-2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है, जिसमें कुल 438 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है हालांकि माननीय न्यायालय के आदेश के अनुसार 13 प्रतिशत पदों का परिणाम फिलहाल होल्ड रखा गया है और इन पदों पर आगे की कार्रवाई न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप की जाएगी। पुलिस विभाग में लगभग आठ वर्षों से स्टेनोग्राफर एवं कार्यालयीन स्टाफ की भर्ती नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में पद रिक्त थे इन रिक्तियों को भरने के लिए वर्ष 2025 में पुलिस मुख्यालय ने शासन को भर्ती का प्रस्ताव भेजा था प्रस्ताव पर त्वरित निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 100 सूबेदार (अ) (स्टेनो) तथा 400 सहायक उप निरीक्षक (अ) यानी कुल 500 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी थी। अंतिम चयन सूची के अनुसार सूबेदार (अ) (स्टेनो) के 88 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, जिनमें 30 महिलाएं और 58 पुरुष शामिल हैं। वहीं सहायक उप निरीक्षक (अ) के 350 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया जिनमें 122 महिलाएं और 228 पुरुष हैं इस प्रकार कुल चयनित अभ्यर्थियों में महिला उम्मीदवारों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली है भर्ती प्रक्रिया के तहत मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (श्रस्क) ने 19 सितंबर 2025 को भर्ती का विज्ञापन जारी किया था आवेदन प्रक्रिया 3 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2025 तक चली इसके बाद 17 एवं 18 दिसंबर 2025 को ऑनलाइन लिखित परीक्षा आयोजित की गई जिसका परिणाम 17 फरवरी 2026 को घोषित किया गया। सफल अभ्यर्थियों की 2 से 4 जून 2026 के बीच हिंदी टंकण, शीघ्र लेखन (स्टेनोग्राफी) एवं दस्तावेज परीक्षण की प्रक्रिया पूरी की गई। लिखित और व्यावहारिक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट तैयार कर श्रेणीवार अंतिम चयन सूची जारी की गई है चयनित अभ्यर्थियों को अब इकाई आवंटन, दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सीय परीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नियुक्ति दी जाएगी इसके पश्चात उन्हें मध्यप्रदेश पुलिस के प्रशिक्षण संस्थानों में आधारभूत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। पुलिस विभाग का मानना है कि इस भर्ती से प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी प्रशिक्षित स्टेनोग्राफर और कार्यालयीन अधिकारियों की उपलब्धता से पुलिस प्रशासन की कार्यकुशलता बढ़ेगी और नागरिकों को सेवाएं अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

शिवपुरी के मजदूर से ट्रेन में PI ठगी, मां तबीयत का बहाना बनाकर उड़ाए 9 हजार रुपए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। महाराष्ट्र से मजदूरी कर अपने गांव लौट रहे शिवपुरी के एक मजदूर के साथ ट्रेन में साइबर ठगी का मामला सामने आया है आरोपी ने पहले चोरी-छिपे मजदूर का यूपीआई पिन देख लिया और बाद में मां की तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर मोबाइल लेकर 9 हजार रुपए अपने परिचित के खाते में ट्रांसफर कर दि पीड़ित ने साइबर क्राइम प्रकोष्ठ में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई और रकम वापस दिलाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार नरवर थाना क्षेत्र के काली पहाड़ी मेड़ श्यामपुर निवासी धनवंत सिंह बघेल महाराष्ट्र के सोलापुर स्थित एक धागा फैक्ट्री में मजदूरी करते हैं 16 जुलाई को वे ट्रेन से सोलापुर से अपने गांव लौट रहे थे यात्रा के दौरान एक रेलवे स्टेशन पर उन्होंने यूपीआई के जरिए भुगतान किया इसी दौरान पास मौजूद एक अज्ञात युवक ने उनका यूपीआई पिन चोरी-छिपे देख लिया। इसके बाद वही युवक झांसी जाने वाली ट्रेन में धनवंत सिंह के साथ बैठ गया और बातचीत कर उनका भरोसा जीत लिया कुछ देर बाद उसने मां की तबीयत खराब होने की बात कहकर जरूरी कॉल करने के लिए मोबाइल मांगा भरोसा कर धनवंत ने उसे अपना मोबाइल दे दिया आरोप है कि युवक ने मोबाइल में पहले से देखे गए यूपीआई पिन का इस्तेमाल कर दोपहर करीब 2:42 बजे रविकांत चौबे के मोबाइल नंबर से जुड़े यूपीआई खाते में 9 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए।

शिवपुरी में लापता दो चचेरी बहनों के शव 70 फीट गहरे कुएं में मिले, अपहरण केस के बाद नया मोड़

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के तेंदुआ थाना क्षेत्र के डेहरवारा गांव में लापता दो चचेरी नाबालिग बहनों के शव शनिवार सुबह एक 70 फीट गहरे कुएं से बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई दोनों बहनें 16-17 जुलाई की रात से लापता थीं परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने पहले अपहरण का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की थी अब शव मिलने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार डेहरवारा निवासी राजेंद्र धाकड़ की 16 वर्षीय बेटी कीर्ति धाकड़ और उनके भाई सुघर सिंह धाकड़ की 17 वर्षीय बेटी पूनम धाकड़ 16 जुलाई की रात परिवार के साथ भोजन करने के बाद सोने चली गई थीं। रात करीब एक बजे जब परिजन जागे तो दोनों अपने बिस्तर पर नहीं थीं काफी तलाश के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिलने पर 17 जुलाई को तेंदुआ थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया। शनिवार सुबह पुलिस को दोनों के घर से करीब 300 मीटर दूर स्थित एक कुएं के पास एक नाबालिग की चप्पल मिली।

अमृत भारत योजना के तहत शिवपुरी रेलवे स्टेशन का लोकार्पण, आधुनिक सुविधाओं से यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित शिवपुरी रेलवे स्टेशन का शुक्रवार को भव्य लोकार्पण किया गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिवपुरी रेलवे स्टेशन का भी वर्चुअल उद्घाटन किया इस अवसर पर स्टेशन परिसर में आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव, कलेक्टर अर्पित वर्मा सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे समारोह की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई इसके बाद प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन और स्टेशन लोकार्पण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया जिसे उपस्थित लोगों ने उत्साह के साथ देखा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत शिवपुरी रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है स्टेशन भवन का आकर्षक पुनर्निर्माण किया गया है जिससे इसकी सुंदरता और उपयोगिता दोनों में वृद्धि हुई है। यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म पर नए शेड लगाए गए हैं आधुनिक बैठने की व्यवस्था की गई है तथा डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली, कोच पोजिशन डिस्प्ले बोर्ड और अत्याधुनिक पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम स्थापित किए गए हैं। स्टेशन परिसर के सर्कुलेटिंग एरिया का भी व्यापक विकास किया गया है यहां बेहतर पार्किंग व्यवस्था, आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित शौचालय, शुद्ध पेयजल की सुविधा और बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है दिव्यांग यात्रियों की सुगमता को ध्यान में रखते हुए रैंप, टैक्टाइल पाथ और बाधारहित आवागमन की विशेष व्यवस्थाएं भी विकसित की गई हैं ।

अविश्वास प्रस्ताव पर सीएम विष्णुदेव साय का पलटवार, बोले- यह सरकार नहीं, जनता के जनादेश के खिलाफ प्रस्ताव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरकार का पक्ष मजबूती से रखते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला उन्होंने कहा कि यह अविश्वास प्रस्ताव केवल सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि प्रदेश की तीन करोड़ जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक जनादेश का भी अपमान है मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता ने लगातार चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की विकास आधारित नीतियों पर भरोसा जताया है और विपक्ष उसी जनादेश पर सवाल उठा रहा है मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव, उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव और नगरीय निकाय चुनावों में जनता ने भाजपा को स्पष्ट समर्थन दिया है उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि उसका अविश्वास आखिर किस पर है-उन 25 लाख किसानों पर, जिन्हें 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का लाभ मिला या उन 70 लाख महिलाओं पर जिन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने एक हजार रुपये की सहायता मिल रही है। सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को दो वर्ष का बकाया बोनस, शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण और रिकॉर्ड समर्थन मूल्य का लाभ दिया गया है वहीं महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को अब तक 18,800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में 10.40 लाख से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' के रूप में आत्मनिर्भर बनाया गया है मुख्यमंत्री ने आदिवासी कल्याण के लिए तेंदूपत्ता पारिश्रमिक में वृद्धि, चरणपादुका योजना, वनाधिकार लाभ, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनमन योजना जैसी पहलों का उल्लेख किया साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे ।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन, तीसरे दिन 1100 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। 18 जुलाई 2026। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान को प्रदेशभर में लगातार जनसमर्थन मिल रहा है अभियान के तीसरे दिन राज्य के सभी जिलों में 1100 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनके माध्यम से 2 लाख 70 हजार से अधिक नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाया गया कार्यक्रमों में लोगों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देने के साथ सामूहिक रूप से नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प भी दिलाया गया यह अभियान अब केवल पुलिस विभाग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग सहित कई शासकीय विभाग अभियान में सक्रिय सहयोग कर रहे हैं। इसके अलावा सामाजिक, धार्मिक एवं स्वयंसेवी संगठनों की सहभागिता से अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है अभियान के तहत स्कूलों, महाविद्यालयों और छात्रावासों में विद्यार्थियों को लघु फिल्मों, रील्स और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। कई स्थानों पर ऑनलाइन प्लेज के जरिए प्रतिभागियों को डिजिटल प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए वहीं बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख चौराहों और हाट-बाजारों में नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद, रैलियां और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया सोशल मीडिया, एलईडी स्क्रीन और कचरा वाहनों के पीए सिस्टम के माध्यम से भी व्यापक स्तर पर संदेश प्रसारित किए गए। अभियान के दौरान विभिन्न जिलों में कई नवाचार भी देखने को मिले इंदौर में करीब 1.75 लाख लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाया गया, जहां जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाई गई, 'नार्को हेल्पलाइन' शुरू की गई और विशेष जागरूकता गीत लॉन्च किया गया बालाघाट में मैराथन रैली आयोजित कर 'नशा मुक्ति ऐप' के जरिए 430 'नशा मुक्ति मित्र' बनाए गए ग्वालियर में 45 थाना क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटकों और जागरूकता रथों के माध्यम से 17 हजार से अधिक लोगों तक संदेश पहुंचा, जबकि छिंदवाड़ा, कटनी, धार, जबलपुर, बैतूल, खरगोन और पन्ना सहित कई जिलों में स्थानीय स्तर पर रैलियां, विशेष अभियान और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इस अभियान से जुड़कर अपने परिवार और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं तथा 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' को जन-जन का आंदोलन बनाने में सहयोग करें।

स्मार्ट मीटर और महंगे बिजली बिल के विरोध में कांग्रेस का घर-घर अभियान शुरू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महंगे बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने शनिवार से रायपुर में व्यापक जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार मेनन के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर बिजली उपभोक्ताओं से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें स्मार्ट मीटर हटाने या बदलने के लिए आवेदन पत्र उपलब्ध करा रहे हैं अभियान की शुरुआत लाखे नगर स्थित बिजली कार्यालय से की गईइसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न वार्डों और कॉलोनियों में पहुंचे जहां उन्होंने लोगों से स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की और उनकी शिकायतें सुनीं। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिल पहले की तुलना में काफी बढ़ गए हैं जिससे आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है जनसंपर्क अभियान के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने लोगों से अपील की कि यदि उन्हें भी स्मार्ट मीटर के कारण अधिक बिजली बिल मिल रहे हैं या अन्य तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो वे आवेदन पत्र भरकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं कांग्रेस का कहना है कि एकत्रित आवेदनों को सरकार और बिजली विभाग के समक्ष प्रस्तुत कर उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। इस अभियान में पूर्व विधायक विकास उपाध्याय सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी शामिल हुए नेताओं ने बिजली उपभोक्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और भरोसा दिलाया कि पार्टी इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी।

मंदसौर में ई-स्कूटी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग प्लास्टिक गोदाम तक फैली लपटें; बैटरी में खराबी से लगी आग

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के गांधीनगर क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे एक मकान में भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण घर के अंदर चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक स्कूटी में हुआ शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। मकान के निचले हिस्से में प्लास्टिक का सामान और पानी की टंकियों से भरा गोदाम होने के कारण आग तेजी से फैल गई। चार्जिंग पर लगी स्कूटी से शुरू हुई आग जानकारी के अनुसार, गांधीनगर क्षेत्र में रहने वाले व्यापारी सचिन जैन के मकान में रात के समय अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि घर के अंदर इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्जिंग पर लगी हुई थी। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़क उठी। शुरुआत में आग स्कूटी के आसपास लगी, लेकिन कुछ ही समय में उसने पूरे निचले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम में प्लास्टिक का सामान बड़ी मात्रा में रखा होने से आग तेजी से फैलती चली गई। फायर टीम ने परिवार को सुरक्षित निकाला मकान में आग लगने की सूचना मिलते ही नगर पालिका की फायर ब्रिगेड, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गया। राहत और बचाव टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। फायर टीम ने मकान की पहली मंजिल पर मौजूद परिवार के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सभी लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया। हादसे में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से लगातार प्रयास किया। करीब एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। हालांकि, इस दौरान मकान के निचले हिस्से में रखा प्लास्टिक का सामान और गोदाम का अन्य सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। करीब 5 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान प्रारंभिक आकलन के अनुसार, इस अग्निकांड में करीब 5 लाख रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग में गोदाम में रखा सामान और मकान के निचले हिस्से को काफी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

नर्मदापुरम में बीच बाजार चाकूबाजी शराब के लिए 1000 रुपए नहीं दिए तो युवक पर किया हमला;आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। इटारसी के बाद अब जिला मुख्यालय में भी चाकूबाजी की वारदात से हड़कंप मच गया। कोतवाली थाने से 300 मीटर दूर शहर के बीच बाजार, अमर चौक पर शुक्रवार रात शराब पीने के लिए रुपए नहीं देने पर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। घटना से सनसनी फैल गई। खून से लथपथ हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया। देर रात को पुलिस ने केस दर्ज किया। चाय पीने के दौरान मांगे रुपए, फिर किया हमला प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करने वाले अरमान खान निवासी जुमेराती रात 9 बजे दोस्त अल्फेज के साथ राजू टी स्टॉल पर चाय पी रहे थे। तभी वहां खड़े शेख इमरान उर्फ रानू निवासी फूटा कुंआ ने शराब पीने के लिए 1 हजार रुपए मांगे। अरमान के मना करने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगा और जेब से चाकू निकालकर हमला कर दिया। पहला वार पेट पर, दूसरा अंगूठे पर हमले में अरमान के पेट और उल्टे हाथ के अंगूठे पर चोट आई। खून तेजी से बहने लगा। साथियों ने उसे पहले कोतवाली थाना ले गए, जहां से पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस कार्रवाई रात 11.15 बजे एसआई अनुज बघेल ने अस्पताल में घायल के बयान लिए। इसके बाद आरोपी शेख इमरान के खिलाफ अड़ीबाजी और हमले का केस दर्ज किया गया। टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया घायल की हालत सामान्य है। आरोपी की तलाश में टीम लगी है। जिले में बढ़ रहीं चाकूबाजी की घटनाएं पिछले 1 सप्ताह में इटारसी, पथरौटा में चाकूबाजी की 8 से ज्यादा घटनाएं हो चुकी हैं। एक वारदात में हत्या भी हुई थी।

खुरई में मोबाइल चलाते किसान पर सियार का हमला हाथ में आई चोट, वन विभाग ने कहा- अकेले घर से न निकले

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। खुरई के बेरी गांव में शुक्रवार रात एक किसान पर सियार ने हमला कर दिया। मोबाइल चलाते समय हुए इस हमले में किसान घायल हो गया, जिसे खुरई के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बेरी गांव निवासी वकील सिंह राजपूत (42) ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि वे रात में टहलने निकले थे। गांव के पास मोबाइल चला रहे थे, तभी अचानक एक सियार ने उन पर हमला कर दिया राजपूत के अनुसार, सियार ने उन पर दो बार हमला किया, जिससे वे जमीन पर गिर पड़े। जब वे खुद को बचाने के लिए डंडा ढूंढ रहे थे, तब सियार ने तीसरी बार हमला किया। हाथ में डंडा आने के बाद सियार वहां से भाग गया। इस दौरान वकील सिंह राजपूत के हाथों में चोटें आई हैं।

सीहोर में रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ करने वाले गुंडे का जुलूस आष्टा पुलिस ने निकाला, आरोपी पर 16 गंभीर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। आष्टा थाना पुलिस ने रेस्टोरेंट में तोड़फोड़, मारपीट और अड़ीबाजी करने वाले मुख्य आरोपी श्याम पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी का सड़क पर जुलूस निकाला और उसे थाने तक लेकर गई। आरोपी पर अड़ीबाजी, बलवा, मारपीट और हत्या के प्रयास जैसे 16 गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चा शुरू हो गई है। रेस्टोरेंट में मुफ्त खाना खाने और धमकाने का आरोप मामला आष्टा थाना क्षेत्र के ग्राम कोठरी का है। रेस्टोरेंट संचालक मुकेश वर्मा ने पुलिस को शिकायत में बताया कि अमलाहा गांव निवासी श्याम पटेल अक्सर उसके रेस्टोरेंट पर आता था और बिना पैसे दिए खाना खाता था। शिकायत के अनुसार, जब भी उससे खाने के पैसे मांगे जाते थे तो वह धमकी देकर विवाद करता था। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ रेस्टोरेंट में पहुंचकर हंगामा किया। 25 हजार रुपए मांगने के बाद की मारपीट मुकेश वर्मा के अनुसार, हाल ही में श्याम पटेल अपने पांच साथियों के साथ रेस्टोरेंट पहुंचा था। आरोप है कि उसने वहां 25 हजार रुपये की मांग की। जब रेस्टोरेंट संचालक ने रुपये देने से इनकार किया तो श्याम पटेल और उसके साथियों ने मुकेश वर्मा तथा उनके बेटे विनय के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने दोनों के साथ मारपीट की।

रेस्टोरेंट में तोड़े कांच और एसी: मारपीट के दौरान आरोपियों ने रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ भी की। आरोप है कि उन्होंने वहां लगे कांच और एसी सहित अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद मुकेश वर्मा ने पुलिस थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने दर्ज किया मामला, शुरू की तलाश फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने श्याम पटेल, संदीप वर्मा और चार अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज, तोड़फोड़, अड़ीबाजी और बलवे की धाराओं में मामला दर्ज किया। मामला दर्ज होने के बाद थाना प्रभारी गिरीश दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने श्याम पटेल के घर, खेत और अन्य संभावित ठिकानों पर दबिश दी। थार गाड़ी सहित पकड़े गए आरोपी लगातार तलाश के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी श्याम पटेल और उसके साथी संदीप वर्मा को ग्राम महोड़िया थाना मंडी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ शुरू की है। आष्टा थाना प्रभारी गिरीश दुबे ने बताया कि श्याम पटेल ग्राम अमलाह का सूचीबद्ध गुंडा है। उसके खिलाफ आष्टा, मंडी और कोतवाली थानों में मारपीट और हत्या के प्रयास जैसे कुल 16 गंभीर अपराध दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ जिलाबदर का प्रकरण भी जिला कलेक्टरेट न्यायालय में विचाराधीन है। पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले अपराधियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। वर्षा ऋतु में डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवायजरी जारी की गई है। नागरिकों से सतर्कता बरतने और मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने में सहयोग करने की अपील की गई है। सीएमएचओ डॉ. सुधीर डेहरिया ने बताया कि डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर साफ एवं ठहरे हुए पानी में पनपता है तथा दिन में काटता है, जबकि मलेरिया फैलाने वाला एनोफिलीज मच्छर प्रायः शाम और रात के समय सक्रिय रहता है। इसलिए घर एवं आसपास कूलर, टंकी, गमले, पुराने टायर, नारियल के खोल तथा अन्य अनुपयोगी पात्रों में पानी जमा न होने दें। कूलर का पानी सप्ताह में एक बार अवश्य बदलें तथा पानी के सभी भंडारण पात्रों को ढंककर रखें। उन्होंने सलाह दी कि मच्छरों से बचाव के लिए पूरे बाजू के कपड़े पहनें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें तथा आवश्यकता अनुसार मच्छररोधी क्रीम, कॉयल या वेपराइजर का प्रयोग करें। प्रत्येक सप्ताह एक दिन 'ड्राई डे' मनाते हुए घर एवं आसपास पानी जमा होने वाले सभी स्थानों की सफाई अवश्य करें। सीएमएचओ ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को तेज बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, शरीर या आंखों के पीछे दर्द, त्वचा पर चकत्ते अथवा अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तत्काल नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य संस्था में जाकर जांच एवं उपचार कराएं। जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में डेंगू एवं मलेरिया की जांच तथा आवश्यक उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। बिना चिकित्सकीय सलाह के किसी भी प्रकार की दवा का सेवन न करें।

शादी के 6 महीने बाद युवती ने सुसाइड किया आखिरी कॉल मां को किया, पति पर प्रताड़ना के आरोप; 17 की उम्र में लव मैरिज की थी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के खालवा थाना क्षेत्र के मलगांव में शादी के महज छह महीने बाद एक 18 वर्षीय नवविवाहिता ने जहर पीकर सुसाइड कर लिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने पति पर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान कृष्णाबाई निवासी खारी टिमरनी, जिला हरदा के रूप में हुई। उसका विवाह करीब छह महीने पहले मलगांव निवासी मुकेश पिता बली नायक से हुआ था। परिजनों के अनुसार, कृष्णाबाई ने करीब साढ़े 17 वर्ष की उम्र में घर से मुकेश के साथ जाकर कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों साथ रहने लगे थे। वर्तमान में उसकी उम्र 18 वर्ष थी। आरोप- शराब, जुआ और मारपीट से बेटी परेशान थी कृष्णाबाई की मां संतराबाई का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही मुकेश का व्यवहार बदल गया था। वह शराब पीने और जुआ खेलने का आदी था और आए दिन कृष्णाबाई के साथ मारपीट करता था। आरोप है कि वह बेटी को मायके वालों से बात तक नहीं करने देता था। उसका मोबाइल फोन भी अपने पास रख लेता था ताकि वह परिवार से संपर्क न कर सके। परिजनों का यह भी आरोप है कि मुकेश कृष्णाबाई को बांझ कहकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। लगातार प्रताड़ना के कारण वह तनाव में रहने लगी थी। परिवार के अनुसार, कई बार दोनों पक्षों के बीच समझाइश भी कराई गई, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। बेटी की सुरक्षा को देखते हुए कुछ समय पहले उसे मुंबई में रहने वाले रिश्तेदारों के पास भेज दिया गया था। करीब पांच दिन पहले ही वह वापस अपने ससुराल मलगांव लौटी थी। मरने से पहले मां को किया फोन परिजनों ने बताया कि गुरुवार को कृष्णाबाई ने अपनी मां को फोन कर कहा कि उसने जहरीली दवा पी ली है। सूचना मिलते ही परिवार के लोग सक्रिय हुए, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कृष्णाबाई के भाई भगवानदास ने भी बहन के पति पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि मुकेश शराब के नशे में आए दिन विवाद करता था और बहन के साथ मारपीट करता था। परिवार का आरोप है कि लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से परेशान होकर कृष्णाबाई ने यह कदम उठाया। निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग मायके पक्ष ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी पति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रताड़ना बंद हो जाती तो उनकी बेटी की जान बच सकती थी। खालवा थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

बुरहानपुर पुलिस ने चलाया नशा मुक्ति अभियान 15 स्कूल-कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर पुलिस ने मध्य प्रदेश पुलिस के 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत जिले भर में बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। । पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के निर्देशानुसार, जिले के 13 थानों और चौकियों द्वारा कुल 15 स्कूल, कॉलेज और विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर ये कार्यक्रम हुए। पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को नशे के सामाजिक, मानसिक, शारीरिक और नैतिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष रील्स और शॉर्ट फिल्में दिखाई गईं, जिसके बाद सभी प्रतिभागियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। इसके अतिरिक्त, 'नशे से दूरी है जरूरी' और 'हमारा है यही संकल्प, नशा मुक्त हो मध्य प्रदेश' जैसे संदेशों वाले पंपलेट भी वितरित किए गए। इस अभियान में कोतवाली, शिकारपुरा, लालबाग, गणपतिनाका, नेपानगर, निंबोला, शाहपुर, धूलकोट चौकी, देड़तलाई चौकी, महिला थाना, अजाक और नावरा चौकी सहित सभी संबंधित इकाइयों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इन स्थानों पर छात्रों, ग्रामीणों और आम लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए।

भंडारे से लौट रहे किशोर पर चाकू से हमला:छतरपुर में मामूली कहासुनी के बाद रास्ता रोककर तीन वार किए

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में शुक्रवार दोपहर भंडारे से लौट रहे 15 वर्षीय किशोर पर चाकू से हमला किया गया। इस हमले में किशोर की पीठ और हाथ के अंगूठे में गंभीर चोटें आई हैं। उसे जिला अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल किशोर की पहचान अनिकेत प्रजापति (15) के रूप में हुई, जो वार्ड क्रमांक-11 में फूला देवी मंदिर के पास का निवासी है। उसके चाचा विनोद प्रजापति ने बताया कि अनिकेत शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे अपने बड़े भाई के साथ फूला देवी मंदिर में आयोजित भंडारे में गया था। भंडारे से लौटते समय मंदिर परिसर में कुछ युवकों से उसकी कहासुनी हो गई थी। मौके पर मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर विवाद को शांत करा दिया था। घर लौटते समय हमला किया परिजनों के अनुसार, यह विवाद खत्म होने के बाद अनिकेत अपने भाई के साथ घर लौट रहा था। इसी दौरान बायपास रोड के पास रहने वाले आरोपी मूलु अनुरागी ने उसका रास्ता रोका और चाकू से हमला कर दिया।

रतलाम में 2.90 लाख की एमडी ड्रग्स जब्त जावरा पुलिस ने दो तस्करों समेत सप्लायर को दबोचा, रिमांड पर पूछताछ जारी

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के तहत जावरा शहर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 29.05 ग्राम एमडी (स्म्ड्ड) ड्रग्स बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक ड्रग्स सप्लायर भी शामिल है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 2.90 लाख रुपए बताई गई है। मुखबिर की सूचना पर की कार्रवाई जावरा शहर थाना प्रभारी दीपक मंडलोई ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने शुक्रवार को अजमेरी गेट-भीमाखेड़ी चौराहा रोड स्थित सीताराम बाग के सामने घेराबंदी कर कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने हुसैन खान (26), पिता असलम खान पठान, निवासी ग्राम राकोदा, थाना पिपलोदा, को गिरफ्तार किया। उसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 29.05 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। पूछताछ में सामने आया सप्लायर का नाम प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी हुसैन खान ने खुलासा किया कि उसने एमडी ड्रग्स एक अन्य व्यक्ति से खरीदी थी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने फारुख (35), पिता ईशरार मेवाती, निवासी झालानगर, थाना पिपलोदा, हाल निवासी मोमिनपुरा, अब्बू सईद दरगाह के पास, जावरा, को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, फारुख ही आरोपी हुसैन को एमडी ड्रग्स की सप्लाई करता था। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया। अदालत से रिमांड मिलने के बाद दोनों से पूछताछ की जा रही है। ड्रग्स नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद एमडी ड्रग्स कहां से लाई गई थी और इसे किन-किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। साथ ही पूरे ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरुरी अभियान के तहत जावरा शहर थाना पुलिस ने दो तस्करों के पास 29.05 ग्राम एमडी पकड़ी है। जिसकी कीमत 2.90 लाख रुपए है। पुलिस ने एमडी बेचने वाले सप्लायर को भी पकड़ा है। जावरा शहर थाना प्रभारी दीपक मंडलोई ने बताया मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार को अजमेरी गेट भीमाखेडी चौराहा रोड सीताराम बाग के सामने जावरा से आरोपी हुसैन खान (26) पिता असलम खान पठान निवासी ग्राम राकोदा थाना पिपलोदा को अवैध मादक पदार्थ 29.05 ग्राम स्म्ड्ड ड्रग्स के साथ पकड़ा। पूछताछ में आरोपी हुसैन खान ने बताया कि उसने एमडी एक अन्य व्यक्ति से खरीदी है।

कोच का निर्देश, धैर्य और फोकस जापान ओपन फाइनल में पहुंचने की वजह: पीवी सिंधु

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत की पीवी सिंधु ने शनिवार को जापान ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में पहुंचने का श्रेय फोकस, धैर्य और अपने कोच से मिले निर्देशों को दिया। सिंधु ने सेमीफाइनल में चीन की चेन युफेई को हराकर जापान ओपन के फाइनल में जगह बनाई है। सिंधु टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिमनैजियम में 21-19, 15-10 से आगे चल रही थीं। इसी समय पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण रिटायर हो गई। युफेई के रिटायर होते हीं सिंधु अपने पहले बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 फाइनल और दिसंबर 2024 के बाद अपने पहले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल मुकाबले में पहुंच गई। मैच के बाद सिंधु ने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक के खिलाफ शुरुआती रैली से ही एकाग्रता बनाए रखना उनके गेम प्लान का मुख्य हिस्सा था। ओलंपिक डॉट कॉम से बात करते हुए सिंधु ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैं फाइनल में पहुंच गई हूं। मेरे लिए, पहले गेम से ही हर मैच बहुत मायने रखता था और आज का मैच खासकर, शुरू से ही फोकस करने के लिए बहुत जरूरी था, क्योंकि जब आप टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं, तो हर अंक मायने रखता है। पहला गेम जीतना सच में बहुत मायने रखता है। ' उन्होंने कहा, 'मैं पूरी तरह खेल पर केंद्रीत थी। मेरे कोच कहते रहे, क्योंकि मैं पहले गेम में आगे चल रही थी और चेन यूफेई काफी करीब आ गई थी, इसलिए और ध्यान देना जरूरी था। कभी-कभी जब आप आगे चल रहे होते हैं और अंक गंवा देते हैं, तो आप अचानक निराश हो जाते हैं, यह सोचकर कि ये अंक क्यों जा रहे हैं। आपके दिमाग में बहुत सारी भावनाएं आती हैं। मेरे कोच कह रहे थे कि बस अगले पॉइंट पर फोकस करो। इससे सच में मदद मिली। ' सिंधु के लिए शुरुआती गेम मुकाबले का सबसे अहम दौर साबित हुआ। शुरुआत में आगे निकलने के बाद, सिंधु को दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी के जोरदार मुकाबले का सामना करना पड़ा, इससे पहले कि वह सेट 21-19 से जीत जाती, जिससे उन्हें दूसरे गेम में अहम बढ़त मिल गई। भारतीय खिलाड़ी ने चोट के कारण चेन के रुकने तक उन्होंने दूसरे गेम को कैसे खेला। उन्होंने कहा कि दूसरे सेट में भी, लंबी रैलियां हुई, खासकर पहले गेम में- वो लंबी रैली जो हुई और मैंने उसे जीत लिया, वो मेरे लिए वो अंक पाने के लिए बहुत जरूरी थी। दूसरे गेम में भी, मेरे लिए पहले पॉइंट से ही फोकस करना जरूरी था क्योंकि वो काफी बराबर चल रहा था। भले ही मैं 2 पॉइंट से आगे थी, वो कवर कर रही थी और वापस आ रही थी। 11 पॉइंट के बाद, मैं 3-4 पॉइंट की लीड बनाए हुए थी। बदकिस्मती से, उसे रिटायर होना पड़ा। सिंधु का रविवार को फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से सामना होगा। वर्ल्ड नंबर 3 यामागुची तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन रही हैं।

दो साल में पहली बार फाइनल में पहुंची पीवी सिंधु, चीनी खिलाड़ी की चोट ने की मदद

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने जापान ओपन के महिला सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली है। ये पहली बार है जब सिंधू ने इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उनका सामना चीन की चेन यूफेई से था जो चोट के कारण मैच पूरा नहीं कर सकीं और सिंधू को खिताबी मुकाबले में प्रवेश मिल गया। जिस समय यूफेई को चोट लगी उस समय सिंधू 21-19 से पहला गेम जीत चुकी थीं और दूसरे गेम में 15-10 से आगे थीं। यूफेई को मांसपेशियों में समस्या हुई और इसके बाद उन्होंने मैच छोड़ने का फैसला कर लिया। फाइनल में उनका सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा। इसी के साथ सिंधू ने दो साल बाद किसी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है।

आसान रहा मुकाबला

सिंधू को इस मैच को अपने नाम करने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई है। चीनी खिलाड़ी ने डिफेंस की रणनीति अपनाई जो काम नहीं आई और वह लगातार सिंधू से पीछे ही रहीं। सिंधू की कोशिश थी कि वह बढ़त लें और फिर इसे कायम रखें। उनका ये प्लान काम कर गया। शुरुआती गेम में वह 10-15 से आगे थीं। यूफेई ने कुछ अंकों के अंतर को कम किया लेकिन गेम नहीं जात प ई। इस गेम में दोनों के 51 शॉट की रैली खेली गई। एक समय स्कोर 19-19 से बराबर था और फिर सिंधू दो अंक ले गई। दूसरा गेम भी पहले गेम की तरह रहा। सिंधू ने शुरुआती बढ़त ली और उसे कायम रखने में सफल रहीं। यूफेई ने काफी कोशिश की, लेकिन उनकी चोट ने उनको पीछे ही रखा और अंत में उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया।

जीत से खुश सिंधू

मैच के बाद सिंधू ने कहा कि वह इस जीत से काफी खुश हैं। सिंधू ने कहा, 'मैं इस बात से काफी खुश हूं कि मैं फाइनल में जगह बना पाई। मेरे लिए हर मैच काफी मायने रखता है। खासकर आज का मैच। शुरुआत से ये जरूरी था कि मैं फोकस रहूं क्योंकि जब आप शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं तो हर एक अंक अहम होता है।

लॉर्ड्स में कोहली-रोहित की जोड़ी रचेगी इतिहास, नाम जुड़ेगी बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेला जाना है। तीसरे वनडे में मैदान पर उतरने के साथ ही विराट कोहली और रोहित शर्मा की जोड़ी बड़ी उपलब्धि हासिल करेगी। दरअसल, लॉर्ड्स में रोहित और कोहली एक साथ मिलकर भारत की ओर से 400वां इंटरनेशनल मुकाबला खेलने उतरेंगे। कोहली-रोहित की जोड़ी इस मुकाम तक पहुंचने वाली भारत की ओर से पहली जोड़ी बनेगी। यह दोनों इस खास लिस्ट में सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी को पहले ही पीछे छोड़ चुके हैं। सचिन-द्रविड़ ने भारत के लिए एक साथ मिलकर 391 मुकाबले खेले हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में एक साथ सबसे ज्यादा मैच खेलने का विश्व रिकॉर्ड श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के नाम है। संगकारा और जयवर्धने ने एक साथ श्रीलंका के लिए 550 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज में रोहित शर्मा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। वह दो एकदिवसीय मुका लों में अब तक सिर्फ 37 रन ही बना सके हैं। दूसरे वनडे में 47 गेंदों का सामना करने के बाद रोहित महज 26 रन ही बना सके थे और अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे थे। रोहित के भविष्य को लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, लॉर्ड्स वनडे को रोहित के करियर का आखिरी मैच बताया जा रहा था। हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने सभी अफवाहों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। हालांकि, दूसरे वनडे में विराट कोहली अच्छी लय में दिखाई दिए थे। उन्होंने मुश्किल हालातों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 66 गेंदों में 65 रनों की दमदार पारी खेली थी।

लॉर्ड्स वनडे रोहित शर्मा का आखिरी मैच नहीं:

BCCI सचिव देवजीत सैकिया

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। सैकिया ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा और आखिरी वनडे रोहित शर्मा का आखिरी मुकाबला नहीं होगा। पिछले कुछ दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का आखिरी मैच रोहित शर्मा के वनडे करियर का अंतिम मैच हो सकता है। बीसीसीआई सचिव ने इन खबरों को केवल अटकलबाजी बताया। बीसीसीआई सचिव सैकिया ने आईएएनएस से कहा, 'रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। बोर्ड के स्तर पर ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। सैकिया ने कहा है कि रोहित भारतीय वनडे टीम के नियमित सदस्य हैं और जब तक वह टीम का हिस्सा हैं, तब तक देश का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। लॉर्ड्स का मुकाबला रोहित शर्मा के वनडे करियर का अंत नहीं है।

'यह यकीन करना मुश्किल है',

सचिन-कोहली ने सर गैरी सोबर्स के निधन पर लिखा भावुक पोस्ट

नई दिल्ली ,एजेंसी। वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स के 89 साल की उम्र में बारबाडोस में निधन के बाद क्रिकेट जगत शोक में डूब गया है। दुनिया भर से उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है। पूर्व और मौजूदा क्रिकेटर्स ने खेल में सोबर्स के बेमिसाल योगदान को याद किया। सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने भी सोबर्स को श्रद्धांजलि देते हुए भावुक पोस्ट लिखा है। सोबर्स के साथ अपने करियर के दौरान कई यादगार पल बिताने वाले सचिन तेंदुलकर ने उनके साथ बने निजी रिश्तों को याद किया। 2003 वनडे वर्ल्ड कप से लेकर लंदन में अपनी आखिरी मुलाकात तक के पलों को याद करते हुए भारत के महान बल्लेबाज ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'यह यकीन करना बहुत मुश्किल है कि सर गैरी अब हमारे बीच नहीं रहे। मैं उन यादों को याद कर रहा हूं जो हमने वर्षों में साथ बनाई थीं। 2003 वर्ल्ड कप में उनका मुझे 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' की ट्रॉफी देना हो या शतक का मील का पत्थर छूने पर उनकी तारीफ भरे शब्द।' उन्होंने आगे लिखा, 'वह हमेशा बहुत ही विनम्र और अच्छे स्वभाव वाले इंसान रहे। मेरा मन बार-बार उस समय की ओर जाता है जब हम कुछ साल पहले लंदन में मिले थे। हम बस बैठकर खेल के बारे में बातें कर रहे थे, और अब यह बात मुझे बहुत गहराई से महसूस हो रही है कि वह हमारी आखिरी मुलाकात थी। वह सच में बेमिसाल थे। उनकी बहुत याद आएगी। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे, सर गैरी। ' सोबर्स ने 2003 वनडे वर्ल्ड कप में भारत के उपविजेता रहने के बाद तेंदुलकर को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड दिया था। वहीं, सचिन द्वारा इंटरनेशनल क्रिकेट में 'शतकों का शतक' पूरा करने पर भी सोबर्स ने उन्हें सम्मानित किया था। विराट कोहली ने भी श्रद्धांजलि देते हुए सोबर्स को क्रिकेट की महानतम हस्तियों में से एक बताया, जिनका प्रभाव उनके निधन के बाद भी लंबे समय तक बना रहेगा। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'क्रिकेट ने अपनी महानतम हस्तियों में से एक को खो दिया है। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे, सर गारफील्ड सोबर्स। आपकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। ' भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी सोबर्स के परिवार और क्रिकेट जगत के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ऐसी ही भावनाएं जाहिर कीं। उन्होंने लिखा, 'सर गारफील्ड सोबर्स के निधन से बहुत दुख हुआ। एक सच्चे दिग्गज जिनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। उनके परिवार और क्रिकेट जगत के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उनकी आत्मा को शांति मिले। ' भारत के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने सुनील गावस्कर के साथ हाल ही में हुई बातचीत को याद करते हुए कहा कि इस महान बल्लेबाज ने सोबर्स के निधन की खबर से कुछ दिन पहले ही उनकी बहुत तारीफ की थी।

राष्ट्रीय शूटर दमयंती सेन 48 घंटे बाद घर लौटीं

लापता होने की वजह तलाश रही पुलिस

कोलकाता ,एजेंसी। पिछले 48 घंटों से लापता पश्चिम बंगाल की राष्ट्रीय स्तर की शूटर दमयंती सेन शनिवार सुबह सुरक्षित अपने घर लौट आई। हालांकि, उनके दो दिनों तक लापता रहने की वजह अब भी रहस्य बनी हुई है। परिवार और जांच एजेंसियों की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। जानकारी के अनुसार, दमयंती सेन गुरुवार दोपहर अपने घर से कुछ घरेलू सामान खरीदने के लिए निकली थीं। उनके पास उस समय मोबाइल फोन भी था, लेकिन इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटीं। काफी देर तक संपर्क न होने पर परिवार ने उनकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद उन्हें तलाशने के लिए विशेष जांच शुरू की गई। शनिवार सुबह हावड़ा जिले के रामकृष्णपुर फेरी जेटी के पास सुबह टहलने वाले कुछ लोगों ने दमयंती को बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य के घूमते हुए देखा। लोगों ने उन्हें पहचान लिया और तुरंत उनके परिवार को सूचना दी। इसके बाद उनके पिता धुवज्योति सेन मौके पर पहुंचे और बेटी को सुरक्षित घर ले आए। दमयंती के लापता रहने के दौरान उन्हें दो अलग-अलग स्थानों पर देखा गया था। सबसे पहले गुरुवार को हावड़ा रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में वह प्लेटफॉर्म नंबर चार और पांच के बीच घूमती हुई नजर आई थीं।

स्पेन के लिए आई राहत भरी खबर

फाइनल मैच के लिए फिट हुए लामिन यामल

न्यूयॉर्क ,एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले से पहले स्पेन के लिए राहत भरी खबर आई है। अर्जेंटीन के खिलाफ होने वाले खिताबी मुकाबले के लिए टीम के युवा स्टार फॉरवर्ड लामिन यामल अब पूरी तरह फिट हैं। इस बात की जानकारी टीम के हेड कोच लुइस डे ला फुएंते ने दी है। 19 वर्षीय यामल को फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के बाद लंगड़ाते हुए देखा गया था। उस मुकाबले में स्पेन ने 2-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई थी। चोट के कारण यामल गुरुवार को टीम के अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए थे। इससे उनके फाइनल खेलने को लेकर सवाल उठने लगे थे। हालांकि, डे ला फुएंते ने सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि यामल को जोरदार चोट लगी थी, जिससे काफी दर्द हो रहा था। एहतियात के तौर पर उन्हें आराम दिया गया था।

स्मृति मंधाना

अपनी दमदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट में फूंकी नई जान

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। महिला टीम के मैचों को देखने के लिए अब फैंस बड़ी संख्या में स्टेडियम में जुटते हैं और मोबाइल, टीवी पर भी चिपके रहते हैं। इसकी एक वजह बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना हैं, जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से फैंस के बीच महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। फैंस मैदान में 'मंधाना' नाम के नारे लगाते हैं, जो इस खिलाड़ी की बड़ी सफलता है। लोकप्रियता के मामले में मंधाना देश के शीर्ष पुरुष क्रिकेटरों को टक्कर देती हैं। स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। मंधाना के पिता और भाई दोनों क्रिकेटर रहे थे। इसका असर उन पर पड़ा, और उन्होंने ने भी इसी खेल में आगे बढ़ने का फैसला किया। मंधाना ने एक साक्षात्कार में बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज पसंद थे, इसलिए उन्होंने बाएं हाथ की बल्लेबाज बनने का फैसला किया।

9 साल की उम्र में मंधाना को महाराष्ट्र अंडर-15 टीम में जगह मिली थी और 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम में शामिल हुई। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहीं मंधाना के लिए साल 2013 बड़ी सफलता लेकर आया। 5 अप्रैल 2013 को उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 में डेब्यू से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की।

डेब्यू के बाद से मंधाना भारतीय महिला क्रिकेट टीम में तीनों फॉर्मेट में सबसे अहम खिलाड़ी बनी हुई हैं। वह टीम की सबसे बड़ी मैच विजेता खिलाड़ियों में से एक हैं।

मंधाना के करियर पर गौर करें तो उन्होंने टेस्ट में 2014 में, वनडे में 2013 और टी20 में 2013 में डेब्यू किया था। अपने 13 साल के करियर में मंधाना ने 9 टेस्ट की 16 पारियों में 2 शतक और 5 अर्धशतक लगाते हुए 788 रन, 120 वनडे की 120 पारियों में 14 शतक और 35 अर्धशतक लगाते हुए 5,411 रन और 171 टी20 की 165 पारियों में 1 शतक और 35 अर्धशतक लगाते हुए 4,538 रन बनाए हैं। भारतीय महिला क्रिकेट की पोस्टर गर्ल मानी जाने वाली मंधाना ने अपने करियर में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी के बाद आईसीसी विमेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड दो बार जीतने वाली दूसरी क्रिकेटर हैं। मंधाना वनडे फॉर्मेट में भारत की तरफ से सबसे तेज शतक लगाने वाली (50 गेंदों पर) बल्लेबाज हैं। वनडे फॉर्मेट में वह मिताली राज के बाद भारत की तरफ से दूसरी सबसे सफल बल्लेबाज हैं। तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला बल्लेबाज हैं। वनडे फॉर्मेट में सर्वाधिक शतक के मामले में मंधाना दूसरे स्थान पर हैं। महिला क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में 1000 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं।

मानसून फिर सक्रिय: बिलासपुर में 28 सेमी बारिश, रायपुर समेत कई जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। शुक्रवार को राजधानी रायपुर में दिनभर बादल छाए रहे और रुक-रुक कर बारिश होती रही, जबकि बिलासपुर में 28 सेंटीमीटर बारिश दर्ज होने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गई और घरों में पानी घुसने की खबरें सामने आई हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 से 48 घंटों के दौरान मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ के अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश तथा कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने रायपुर, बलौदाबाजार, बेमेतरा, दुर्ग, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोरबा, महासमुंद और सक्ती जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजधानी रायपुर के लिए जारी स्थानीय पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार को भी आसमान में बादल छाए रहेंगे और बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून द्रोणिका अमृतसर से होकर पटना और बंगाल की खाड़ी तक विस्तारित है। वहीं उत्तर पाकिस्तान के आसपास सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और निम्न दबाव प्रणाली के प्रभाव से प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां तेज हुई हैं। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी है।

आवारा मवेशियों से जनता परेशान, सरकार बोली- नई योजना पर नहीं हो रहा विचार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में सड़कों पर आवारा मवेशियों के कारण बढ़ते सड़क हादसों और किसानों की फसलों को हो रहे नुकसान का मुद्दा विधानसभा में गूंजा। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने सरकार से बेसहारा मवेशियों के स्थायी प्रबंधन को लेकर सवाल किए। जवाब में राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि फिलहाल लावारिस मवेशियों के लिए कोई नई योजना लाने पर विचार नहीं किया जा रहा है। आदिम जाति विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने सदन को बताया कि प्रदेश में 6 अगस्त 2025 से गोधन योजना के तहत पंजीकृत गौशालाओं का संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा मनरेगा मद से नंदीशालाओं के निर्माण का प्रावधान है, लेकिन इनके निर्माण की कोई तय समय-सीमा नहीं है। बिलासपुर में नहीं एक भी कंजी हाउ विधायक सुशांत शुक्ला ने बिलासपुर जिले में संचालित कंजी हाउस, गौशालाओं और गौठानों की संख्या तथा वर्ष 2023 से जून 2026 तक चारे-पानी की कमी से हुई पशुओं की मौत का ब्यौरा मांगा। लिखित जवाब में मंत्री ने बताया कि बिलासपुर जिले में वर्तमान में एक भी कंजी हाउस संचालित नहीं है। जिले में केवल 6 पंजीकृत गौशालाएं और 2 गौठान संचालित हो रहे हैं। सरकार का दावा है कि वर्ष 2023 से जून 2026 तक भूख या प्यास के कारण किसी भी मवेशी की मौत का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। ब्लॉकवार व्यवस्था7सरकार द्वारा सदन में प्रस्तुत जानकारी के अनुसार– बिल्हा विकासखंड में मंगला और सिरगिट्टी में दो शहरी गौठान संचालित हैं। बोड़ी और पौंड़ी में जय गुरुदेव, हरी और कृष्ण गौशालाएं संचालित हैं, जबकि हरदी कला में कोई व्यवस्था नहीं है। मस्तूरी विकासखंड में तरौद की मां मुण्डेश्वरी गौशाला और ओखर की वासुदेव गौशाला संचालित हैं। कनकपुर खपरा और जोंधरा में कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है।

रामगोपाल अग्रवाल की रिमांड बढ़ी, अब 22 जुलाई तक हिरासत में रहेंगे कांग्रेस नेता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला और शराब घोटाला मामलों में गिरफ्तार कांग्रेस नेता एवं पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की रिमांड अदालत ने 5 दिन और बढ़ा दी है। अब वह 22 जुलाई तक आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (EOW) की हिरासत में रहेंगे। रामगोपाल अग्रवाल के बचाव पक्ष के अधिवक्ता फैसल रिजवी ने रिमांड बढ़ाए जाने की पुष्टि की है। EOW ने अदालत से पूछताछ के लिए अतिरिक्त 5 दिन की रिमांड मांगी थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया। इससे पहले वह 9 दिनों तक पुलिस रिमांड पर रह चुके हैं।

रामगोपाल अग्रवाल को सबसे पहले कोयला घोटाला मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसी दौरान EOW ने उन्हें शराब घोटाला मामले में भी औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया। अब जांच एजेंसी दोनों मामलों में समानांतर पूछताछ कर रही ह सूत्रों के मुताबिक, बढ़ी हुई रिमांड के दौरान EOW वित्तीय लेनदेन, कथित मनी ट्रेल, अन्य आरोपियों की भूमिका और दस्तावेजी साक्ष्यों के संबंध में रामगोपाल अग्रवाल से विस्तृत पूछताछ करेगी। जांच एजेंसी दोनों घोटालों के बीच संभावित कड़ियों की भी पड़ताल कर रही है।

अफसरों की चूक से सदन में फंसी मंत्री, 1.23 लाख महिलाओं को बता दिया मृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में महतारी वंदन योजना को लेकर उस समय अजीब स्थिति बन गई, जब महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सदन में गलत आंकड़ा पढ़ दिया। विभागीय अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि योजना से जुड़ी 1 लाख 23 हजार 700 महिलाएं मृत हो चुकी हैं। मंत्री का यह बयान सुनते ही सदन में हलचल मच गई और विपक्ष ने सरकार को घेर लिया। दरअसल, प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक उमेश पटेल महतारी वंदन योजना की पात्र महिलाओं, ई-केवाईसी के कारण योजना से वंचित लाभार्थियों और लंबित आवेदनों को लेकर लगातार सवाल पूछ रहे थे।

विधानसभा में भावना बोहरा ने उठाए महिला सुरक्षा

पोषण और किसानों के मुद्दे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण, पोषण आहार और कबीरधाम जिले की खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था जैसे जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन में उठाया। उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटरों की कार्यप्रणाली, आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित रेडी-टू-ईट पोषण आहार की गुणवत्ता, बाल संरक्षण योजनाओं और किसानों से जुड़े खाद्यान्न भंडारण ढांचे को लेकर सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी। प्रदेश में 42 सखी वन स्टॉप सेंटर संचालि भावना बोहरा के प्रश्न के लिखित उत्तर में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि राज्य में वर्तमान में 42 सखी वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं। पिछले तीन वर्षों में इन केंद्रों में घरेलू हिंसा के 12,359, दहेज प्रताड़ना के 87, यौन उत्पीड़न के 415 और अन्य महिला हिंसा से जुड़े 8,670 मामले दर्ज हुए।इनमें घरेलू हिंसा के 10,543, दहेज प्रताड़ना के 83, यौन उत्पीड़न के 386 और अन्य महिला हिंसा के 8,531 मामलों का निराकरण किया गया। इसी

अवधि में 1,484 महिलाओं को कानूनी सहायता, 10,661 को मनोसामाजिक परामर्श, 1,755 को चिकित्सा सहायता और 7,330 महिलाओं को अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराया गया। पोषण आहार पर 440 करोड़ रुपये से अधिक खर्च

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से वितरित किए जाने वाले रेडी-टू-ईट, मीठा शक्ति आहार और नमकीन पौष्टिक दलिया के निर्माण, क्रय एवं वितरण के लिए 441.56 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था। इसके विरुद्ध 440.73 करोड़ रुपये व्यय किए गए। मिशन वात्सल्य के तहत 109 बाल संरक्षण संस्थाएं

बाल संरक्षण योजनाओं को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में सरकार ने बताया कि राज्य में मिशन वात्सल्य योजना संचालित है। इसके अंतर्गत वर्तमान में 109 बाल देखरेख संस्थाएं संचालित हैं, जिनमें बाल गृह, ओपन शेल्टर, विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण, संप्रेक्षण गृह और विशेष गृह शामिल हैं। इसके अलावा प्रदेश में 33 जिला बाल संरक्षण समितियां कार्यरत हैं। सरकार ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में बाल तस्करी, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल यौन शोषण और अन्य प्रकार के बाल उत्पीड़न की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाए गए। अभियान के दौरान चिन्हित बच्चों का रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति के निर्देशानुसार पुनर्वास भी कराया गया। कबीरधाम में 75 हजार टन से अधिक भंडारण क्षमता

कबीरधाम जिले की खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में खाद्य मंत्री ने बताया कि जिले में राज्य भंडार गृह निगम के 37 गोदाम संचालित हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 75,487 टन है। सरकार के अनुसार यह क्षमता सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) की आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य भंडार गृह निगम के कोई भी गोदाम जर्जर नहीं हैं, लेकिन जिले में 86 उचित मूल्य दुकान सह गोदाम भवन मरम्मत योग्य स्थिति में हैं। विभाग ने कहा कि बजट उपलब्ध होने पर इन भवनों की मरम्मत कराई जाएगी।

रायपुर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौतघर में मिले पतिपत्नी और तीन बच्चों के शव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर स्थित एक किराए के मकान में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, घर के अंदर परिवार के मुखिया साजिद अली का शव पंखे से लटका मिला, जबकि उनकी पत्नी और तीन बच्चों के शव कमरे के फर्श पर पड़े थे। मृतकों में दो नाबालिग बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे सामूहिक आत्महत्या का मामला मानकर जांच कर रही है। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। रायपुर पश्चिम के एडीसीपी राहुल देव शर्मा ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले के हर पहलू की गहन जांच की जा रही है।रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर स्थित एक किराए के मकान में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, घर के अंदर परिवार के मुखिया साजिद अली का शव पंखे से लटका मिला, जबकि उनकी पत्नी और तीन बच्चों के शव कमरे के फर्श पर पड़े थे।

जैव विविधता अनुसंधान में नई तकनीकों से परिचित हुए स्नातकोत्तर विद्यार्थी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जैव विविधता अनुसंधान में नई तकनीकों से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को परिचित कराया जा रहा है, ताकि वे पारिस्थितिकी संरक्षण और प्रजातियों की पहचान में आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर सकें। छात्र ग्लोबल जैव विविधता सूचना सुविधा और आई-नेचुरलिस्ट मंच जैसे डेटाबेस का उपयोग करना सीख रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं छत्तीसगढ़ राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में संत गुरु घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद जिला धमतरी में जैव विविधता अनुसंधान पर विशेष जागरूकता एवं प्रेरक व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राणीशास्त्र (एम.एससी.) के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को 'जैव विविधता अनुसंधान के विविध आयाम एवं भविष्य की संभावनाएं' विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। छत्तीसगढ़ की समृद्ध जैव विविधता शोध के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड के वैज्ञानिक ने विद्यार्थियों को जैव विविधता

संरक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ वन, आर्द्रभूमि, नदियों, पर्वतीय क्षेत्रों, वन्यजीवों, जनजातीय समुदायों और पारंपरिक ज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। ये सभी क्षेत्र वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों को वन जैव विविधता, वन्यजीव एवं प अध्ययन, आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी, जलीय जैव विविधता, पारंपरिक ज्ञान, जैव संसाधन और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर शोध की संभावनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। आधुनिक तकनीकों से जैव विविधता संरक्षण को मिलेगी नई दिशा व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों को जैव विविधता के अध्ययन और संरक्षण में आधुनिक तकनीकों के उपयोग की जानकारी दी गई। इनमें रिमोट सेंसिंग, भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस), जीपीएस, ड्रोन आधारित सर्वेक्षण, डीएनए बारकोडिंग, पर्यावरणीय डीएनए (ई-डीएनए), जैव सूचना विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग और डिजिटल डेटा विश्लेषण जैसी तकनीकें शामिल हैं। बताया गया कि इन तकनीकों के माध्यम से जैव विविधता का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, निगरानी और संरक्षण कार्य अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। शोध कार्य के हर चरण की दी गई जानकारी विद्यार्थियों को शोध विषय के चयन, अनुसंधान प्रस्ताव तैयार करने, वैज्ञानिक फील्ड सर्वेक्षण, नमूना संग्रहण, डेटा विश्लेषण और शोध पत्र लेखन के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शोध कार्य प्रकाशित करने तथा अनुसंधान में नैतिक मूल्यों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।स्थानीय जैव विविधता और पारंपरिक ज्ञान पर आधारित शोध को समाज, नीति निर्माण और संरक्षण कार्यक्रमों से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पूछे सवाल कार्यक्रम के संवादात्मक सत्र में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने जैव विविधता अनुसंधान, शोधवृत्ति, उच्च शिक्षा, आधुनिक अनुसंधान उपकरणों और करियर की संभावनाओं से जुड़े सवाल पूछे। वैज्ञानिक ने सभी सवालों का विस्तारपूर्वक समाधान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य और प्राणीशास्त्र विभाग के प्राध्यापकों ने कार्यक्रम को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी और प्रेरणादायी बताया।

रायपुर में एक ही परिवार के पांच शव मिलने से सनसनी जहर देने के बाद आत्महत्या की आशंका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी के संजय नगर स्थित मदनी चौक में शुक्रवार देर रात एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि परिवार के मुखिया ने पहले पत्नी और तीन बच्चों को जहरीला पदार्थ दिया और बाद में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि पुलिस ने मौत के कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, परिवार पिछले करीब डेढ़ वर्ष से मदनी चौक स्थित एक किराए के मकान में रह रहा था। शुक्रवार को पूरे दिन घर का दरवाजा बंद रहने और कोई गतिविधि दिखाई नहीं देने पर पड़ोसियों को संदेह हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां पांच शव मिले। मृतकों की पहचान सैय्यद साजिद अली (50 वर्ष), उनकी पत्नी राबिया बानो, पुत्र सैय्यद इरशाद अली (20 वर्ष), बेटी शाहिदा (15 वर्ष) और इरशाबा परवीन (12 वर्ष) के रूप में हुई है। साजिद अली का शव फंदे से लटका मिला, जबकि पत्नी और तीनों बच्चों के शव बिस्तर पर पड़े थे। पुलिस ने बताया कि चारों के मुंह से झाग निकल रहा था, जिससे जहरीले पदार्थ के सेवन की आशंका जताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में परिवार के आर्थिक संकट और कर्ज में होने की जानकारी भी सामने आई है। साजिद अली मौदहापारा क्षेत्र में एक दुकान पर बैटरी रिपेयर का काम करता था। पड़ोसियों के मुताबिक परिवार शांत स्वभाव का था और किसी से अधिक मेलजोल नहीं रखता था। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पश्चिम जोन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडिशनल डीसीपी) राहुल देव शर्मा ने बताया कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम व फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

1.86 करोड़ के हाउसिंग लोन घोटाले में EOW का बड़ा कदम

तीन आरोपियों के खिलाफ 15 हजार पन्नों का चालान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। तत्कालीन मध्यप्रदेश के समय हुए चर्चित 1.86 करोड़ रुपये के हाउसिंग लोन घोटाले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (EOW) ने शुक्रवार को स्पेशल कोर्ट में तीन आरोपियों के खिलाफ 15 हजार पन्नों का चालान पेश किया है। मामले में आधुनिक गृह निर्माण सहकारी समिति के तत्कालीन अध्यक्ष थावरदास माधवानी, तत्कालीन आवास पर्यवेक्षक बसंत कुमार साहू और सहकारी आवास संघ भोपाल के तत्कालीन प्रबंधक प्रदीप कुमार निखरा को आरोपी बनाया गया है।

कबीरधाम जिले के 32 हजार से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों के खाते में पहुंचे

अब तक 22.05 करोड़ रुपये

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहकों को देश में सर्वाधिक 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा पारिश्रमिक दिए जाने का लाभ अब वनांचल क्षेत्रों के हजारों परिवारों तक पहुंच रहा है। कबीरधाम जिले में वर्ष 2026 के तेंदूपत्ता संग्रहण सत्र में न केवल निर्धारित लक्ष्य हासिल किया गया, बल्कि 100.34 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करते हुए 40 हजार 234 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहित किया गया। संग्रहण कार्य में 32 हजार से अधिक संग्राहकों ने भागीदारी निभाई, जिन्हें लगभग 22 करोड़ 5 लाख रुपये का पारिश्रमिक भुगतान किया गया। यह राशि वनाश्रित परिवारों के लिए आर्थिक संबल बनकर उनकी आजीविका को नई मजबूती दे रही है। जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कवर्धा के अंतर्गत 19 प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के 24 लॉटों में संग्रहण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बढ़ी हुई पारिश्रमिक दर और समय पर भुगतान से वनांचल परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। इस राशि का उपयोग किसान खेती-किसानी, बच्चों की शिक्षा, घरेलू जरूरतों और अन्य आवश्यक कार्यों में कर रहे हैं।बढ़ी पारिश्रमिक ने बदली परिवार की आर्थिक स्थि कबीरधाम जिले के वनांचल ग्राम लोखन की निवासी मती नंदनी मरावी भी उन हजारों संग्राहकों में शामिल हैं।

अविश्वास प्रस्ताव पर भूपेश का हमला: ढाई साल में हर मोर्चे पर विफल रही सरकार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। करीब एक घंटे के भाषण में उन्होंने 136 बिंदुओं के आरोप गिनाते हुए कहा कि ढाई साल में सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है और ऐसा लगता है कि राज्य को कोई 'अदृश्य शक्ति' चला रही है।भूपेश बघेल ने कृषि, कानून-व्यवस्था, खाद संकट, धान खरीदी, तेंदूपत्ता, राशन वितरण, वित्तीय प्रबंधन, स्वास्थ्य और आदिवासी क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरा उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को समय पर यूरिया और डीएपी नहीं मिल रहा, धान खरीदी व्यवस्था चरमरा गई है और किसान महंगे दामों पर खाद खरीदने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से किसानों को प्रति बोरी सैकड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। कानून-व्यवस्था पर बघेल ने सीतापुर, बलौदाबाजार और अन्य घटनाओं का उल्लेख करते हुए सरकार पर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अवैध खनन, नकली खाद, महादेव एप और जंगलों की कटाई जैसे मामलों में सरकार की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। तमनार और हसदेव क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने आदिवासी हितों की अनदेखी का आरोप भी लगाया। भाषण के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों ने कई बार हस्तक्षेप किया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने खाद संकट के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसानों को भ्रमित किया जा रहा है। वहीं वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत बताते हुए कहा कि सरकार योजनाबद्ध तरीके से बजट चला रही है और जरूरत पड़ने पर ही अनुपूरक बजट लाया जाता है। भूपेश बघेल ने अंत में कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था से लेकर किसानों और गरीबों से जुड़े मुद्दों तक सरकार पूरी तरह असफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता विरोधी फैसलों के कारण सरकार नैतिक आधार खो चुकी है और उसे सत्ता में बने रहने का अधिकार नहीं है। सत्ता पक्ष ने हालांकि सभी आरोपों को निराधार बताते हुए सरकार के कामकाज का बचाव किया।

सेवा सेतु पोर्टल से ग्रामीणों को मिल रहा त्वरित समाधान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासन की जनहितकारी पहल सेवा सेतु पोर्टल आम नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में बसना विकासखंड के ग्राम पंचायत गनेकेरा निवासी मुकुटा, पति लोकनाथ को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नया राशन कार्ड सहजता से प्राप्त हुआ। ग्राम पंचायत गनेकेरा के मनीष सोनी ने मुकुटा के राशन कार्ड के लिए सेवा सेतु पोर्टल पर आवेदन किया था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा